MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

व्यवहार घर का
शुभ कलश है,
और इंसानियत
घर की तिजोरी।।

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-50 ❖ मुंबई ❖ रविवार 05 से 11 दिसंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

भिवंडी के मातोश्री वृद्धाश्रम में फिर मिले कोरोना के 17 मरीज, संख्या बढ़कर हुई 90

पेज 5

विधानसभा चुनाव की तैयारी- गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बने पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर, 5 साल पहले कांग्रेस के सभी पदों से दे दिया था इस्तीफा

पेज 7

रमाकांत मुंडे और अलका भटनागर (सिंगर) को " दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवार्ड फ़िल्मस 2021 " का पुरस्कार मिला

पेज 8

सीएम केजरीवाल ने सुरक्षा व्यवस्था पर की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा- शहर के चप्पे-चप्पे पर लगेंगे कैमरे

मुंबई, पुणे और ठाणे की टेंशन बढ़ी

महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के 28 संदिग्ध मरीज, अगले 48 घंटे महत्वपूर्ण

- मुंबई में बढ़ा कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रोन की टेंशन
- मुंबई में ओमिक्रोन के 28 संदिग्ध मरीज पाए गए
- सभी संदिग्धों के सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं
- इनकी रिपोर्ट अगले सप्ताल तक आने की संभावना

मुंबई, कर्नाटक में ओमिक्रोन के दो मामले मिलने के बाद महाराष्ट्र में भी टेंशन बढ़ गया है। प्रशासन द्वारा दी जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के 28 संदिग्ध मरीज पाए गए हैं, जो हाल में विदेश से लौटे हैं। यह सभी मरीज महाराष्ट्र के तीन सबसे बड़े शहर मुंबई, ठाणे और पुणे के हैं। इन संदिग्ध लोगों में से दस लोग मुंबई शहर के हैं जबकि बाकी लोग ठाणे और पुणे के हैं।

यह सभी लोग पिछले एक महीने के दरम्यान विदेश से महाराष्ट्र में आए हैं। इनमें से 25 लोग विदेश से लौटे हैं जबकि तीन लोग इनके संपर्क में आने की वजह से संक्रमित हुए हैं। इन सभी लोगों की कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल

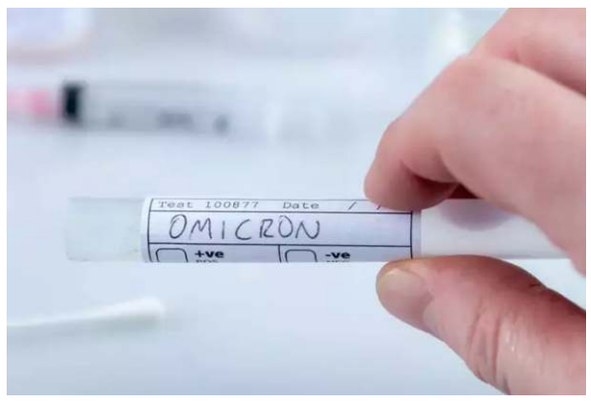

यह सभी ओमिक्रोन वैरीअंट से संक्रमित हैं या नहीं। इस बात की जांच के लिए सभी के सैंपल जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। जिसकी रिपोर्ट अगले सप्ताह तक आने की संभावना है।

मुंबई के हालात

बीते एक महीने की बात करें तो मुंबई में विदेश से लौटे हुए लोगों की संख्या ढाई हजार से भी ज्यादा है। यह सभी लोग हाई रिस्क कंट्रीज में शामिल 40 देशों से वापस आए हैं। स्थानीय प्रशासन की तरफ से ऐसे सभी लोगों की लिस्ट तैयार की गई है और उनकी तलाश की जा रही है। इन सब में जिन 861 लोगों को की पहचान हो पाई है उनमें से 25 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। यह 25 लोग भी जिनके संपर्क में आए हैं। वहीं इन 25 लोगों के संपर्क में आए तीन लोग लोग भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन तीन लोगों ने विदेश यात्रा नहीं की थी।

मुंबई में बढ़ता खतरा

बीते 24 घंटों में ओमिक्रोन के संदिग्ध लोगों की संख्या मुंबई में बढ़कर नौ हो चुकी है। जिनमें से पांच लोग ओमिक्रोन के नए संदिग्ध मरीज हैं। इनमें से एक मरीज लंदन जबकि बाकी चार दक्षिण अफ्रीका, पुर्तगाल, मॉरीशस और जर्मनी से लौटे हैं।

मुंबई में अब कोरोना वैक्सीनेशन कराना जरूरी! -किशोरी पेडनेकर

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रॉन के खतरे के बीच मुंबई में कोरोना वैक्सीनेशन अनिवार्य किया जा सकता है. वहीं वैक्सीन न लगवाने पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है. मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने मंगलवार को कहा कि महानगर में कोरोना वैक्सीनेशन सभी के लिए जरूरी करने का प्रस्ताव दिया जा सकता है. उन्होंने साफ किया कि जो लोग वैक्सीनेशन नहीं कराएंगे उन्हें जुर्माना भरना पड़ेगा. किशोरी पेडनेकर ने कहा कि वैक्सीन न लगवाने वाले लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करने से भी रोका जा सकता है. बता दें कि देश के दूसरे राज्यों के साथ ही मुंबई में भी नए वेरिएंट का खतरा बढ़ता जा रहा है. राज्य में कोरोना को लेकर तैयारियों पर कहा कि यूरोपियन देशों से आने वाले लोगों को पहले से ही क्वारंटीन करना शुरू कर दिया गया है. इसके साथ ही मुंबई की मेयर ने कहा कि कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए सभी फील्ड अस्पताल, ऑक्सीजन बेड और आईसीयू उपलब्ध हैं.

33 लोगों द्वारा नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की

मुंबई। ठाणे पुलिस ने सनसनीखेज मामले में एक 15 वर्षीय लड़की की ओर से 29 युवकों और चार किशोरों द्वारा बार-बार सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराने के दो महीने बाद आरोप पत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 112 गवाहों के बयानों के साथ 800 से अधिक पृष्ठों में चलने वाला आरोप पत्र कल्याण में मजिस्ट्रेट कोर्ट में दर्ज किया गया। पीड़िता के प्रेमी ने उसके साथ जबरन यौन संबंध बनाए और वीडियो बना ली, जिसे बाद में उसने अपने दोस्तों के साथ साझा किया, जिन्होंने उसका दुष्कर्म करने के लिए उसका शोषण भी किया। पुलिस जांच के अनुसार कई युवकों ने लड़की को ब्लैकमेल किया और धमकी दी और अलग-अलग स्थानों पर उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था।

शिशु की मौत के बाद 2 डॉक्टर, 1 नर्स सस्पेंड,वर्ली के बीडीडी चॉल में सिलिंडर फटने की घटना का मामला

मुंबई, नायर अस्पताल में इलाज के दौरान चार माह के शिशु की मौत के बाद डॉक्टरों की लापरवाही सामने आने पर बीएमसी प्रशासन ने कड़ा कदम उठाते हुए दो डॉक्टरों और एक नर्स को निलंबित कर दिया है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के अनुसार प्रथमदृष्टया उपचार में लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसे देखते हुए मेडिकल स्टॉफ के खिलाफ ऐक्शन लिया गया। इस मामले की पूरी जांच की जा रही है। बीएमसी और बाहर के डॉक्टरों की एक थर्ड पार्टी समिति गठित की गई है, जो मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति की रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अस्पतालों के औचक निरीक्षण करेंगे बीजेपी के नगरसेवक

वर्ली के बीडीडी चॉल में हुए सिलेंडर ब्लास्ट में झुलसे चार महीने के बच्चे की नायर अस्पताल में मौत के बाद बीजेपी आक्रामक हो गई है। अब भाजपा नगरसेवक अस्पतालों के औचक निरीक्षण करेंगे और मेडिकल स्टाफ द्वारा मरीजों के इलाज में लापरवाही मिलने पर अस्पताल प्रशासन से शिकायत कर मरीज को उचित इलाज दिलवाएंगे। बीजेपी नगरसेवकों ने नायर अस्पताल व डॉक्टरों की लापरवाही के विरोध में गुरुवार को बीएमसी स्वास्थ्य समिति से इस्तीफा दे दिया। बीजेपी ने आरोप लगाया कि बीएमसी प्रशासन, सत्ताधारी शिवसेना एवं अस्पतालों को मुंबईकरों की कोई चिंता नहीं है। इसीलिए भाजपा नगरसेवक लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखेंगे।

ममता पर कांग्रेस ने किया पलटवार नाम लिए बगैर किया कटाक्ष

मुंबई, कांग्रेस, राहुल गांधी और यूपीए पर बयान देने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे ही मुंबई से निकलीं, वैसे ही कांग्रेस ने पलटवार किया। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले सहित कांग्रेस के दूसरे नेताओं ने ममता बनर्जी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। पार्टी हर स्थिति में मुकाबला करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अलग कर देश में कई सारे मोर्चे बनाए गए, लेकिन आज उसका क्या हश्र है, यह सभी को पता है। गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने बैठक हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने

ममता बनर्जी के बयान की खीझ बीजेपी पर निकाली। पटोले ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सोनिया व राहुल गांधी के नेतृत्व में बीजेपी को जवाब देने में सक्षम है। पिछले 7 साल से कांग्रेस और राहुल गांधी बीजेपी सरकार के खिलाफ एक सक्षम विपक्षी दल की भूमिका निभा रहे हैं। बीजेपी जैसी अलगाववादी ताकतों के खिलाफ लड़ना समय की मांग है। वहीं कुछ लोग ऐसा स्टैंड ले रहे हैं, जिससे बीजेपी को मदद मिलेगी। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में इसी तरह के प्रयास करने की वजह बीजेपी को फायदा हुआ था। आज राहुल और प्रियंका गांधी किसान, मजदूर, दलित, पीड़ित समाज के साथ मजबूती से खड़े हैं। ईडी और सीबीआई द्वारा कार्रवाई के डर से कुछ राजनीतिक दल बीजेपी के खिलाफ नरम रुख अपना रहे हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व ठाकरे सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री अशोक चव्हाण ने ट्वीट में किया कि फिलहाल कांग्रेस को लेकर कुछ लोगों को गलतफहमी हो गई है।

कंगना रनोट पर पंजाब में हमला

किसानों को खालिस्तानी आतंकी कहने से नाराज भीड़ ने कार घेरी, एक्ट्रेस ने बाहर निकलकर मांगी माफी

कंगना रनोट की कार को शुक्रवार को पंजाब में नाराज भीड़ ने घेर लिया। भीड़ कंगना के किसानों को खालिस्तानी आतंकी कहने और सिख विरोधी बयानों से नाराज थी। पहले यह घेराव चंडीगढ़-ऊना नेशनल हाइवे पर कीरतपुर साहिब में किया गया। भीड़ के गुस्से को देखकर कंगना गाड़ी से बाहर निकलीं और माफी मांगी।

इसके बाद रोपड़ टोल प्लाजा पर भी उनके विरोध के लिए किसानों की भीड़ जमा हो गई। यहां पुलिस ने उनके काफिले को 200 मीटर पहले ही मोरिंडा के गांवों के अंदर मोड़ दिया। गांवों के अंदर से ही उनका काफिला भीड़ से आगे निकालकर दोबारा हाईवे पर लाया गया। कंगना हिमाचल प्रदेश में अपने घर मनाली से चंडीगढ़ जा रहीं थीं, जहां से उन्हें मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी। हालांकि यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि कंगना का घेराव करने वाले किसान किस संगठन से जुड़े थे। कंगना ने वीडियो में कहा- मेरे साथ सरेआम मॉब लिंचिंग हो रही है

कंगना ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर इसे मॉब लिंचिंग करार दिया। कंगना ने सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो

शेयर किया। कंगना ने लिखा है, मैं अभी हिमाचल से निकली हूं, क्योंकि मेरी फ्लाइट कैंसिल हो गई है। जैसे ही पंजाब में कदम रखा, भीड़ ने हमला कर दिया। वे लोग कह रहे हैं कि वे किसान हैं। कंगना ने कहा, ये मुझे गंदी गालियां दे रहे हैं। जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सिक्योरिटी होने के बाद भी मेरे साथ यह सब हो रहा है। अगर मेरे साथ सिक्योरिटी न हो तो मेरे साथ क्या होगा। यह अविश्वसनीय है। ये क्या व्यवहार है। इतनी सारी पुलिस होने के बावजूद मुझे रोका गया है।

कंगना के मुताबिक, भीड़ मुझसे माफी मांगने को कह रही थी। भरोसा नहीं हो रहा कि मुझे यहां से नहीं निकलने दिया जा रहा। मेरे साथ सरेआम मॉब लिंचिंग हो रही है। अगर यहां पुलिस न हो तो खुलेआम लिंचिंग हो। मैं कोई नेता नहीं हूं और न ही कोई पार्टी चलाती हूं।

किसानों के बहाने केंद्र पर हमला

राहुल बोले- हमारे पास आंदोलन के दौरान मारे गए 500 किसानों के नाम, सरकार इनकी जांच कर मुआवजा दे

कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने शुक्रवार को किसानों के बहाने फिर केंद्र सरकार को घेरा। इस बार उन्होंने आंदोलन के दौरान किसानों की मौत का मुद्दा उठाया। पार्टी हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले संसद में एक सवाल पूछा गया कि क्या केंद्र सरकार आंदोलन के दौरान मारे गए 700 किसानों के परिवारों को मुआवजा देगी या नहीं? इसका जवाब मिला कि उनके पास ऐसे किसानों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। राहुल ने कहा कि कोरोना में कितने

लोग मरे और कितने किसान मरे, सरकार के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है। इसका कारण ये हैं कि आप इन लोगों को मुआवजा नहीं देना चाहते। जब ये शहीद हुए आपने सदन में 2 मिनट का मौन व्रत तक नहीं रखा। अगर वे चाहते हैं तो हमसे लिस्ट लें और 700 परिवारों को मुआवजा दें।

मरने वाले किसानों के नाम की लिस्ट संसद में रखेंगे

राहुल ने कहा कि पंजाब सरकार के पास 403 नाम हैं। हमने उन्हें 5 लाख रुपए मुआवजा दिया है। 152 लोगों को हमने नौकरी दी है और बाकी लोगों को भी देंगे। हमारे पास 700 में से 500 नाम हैं, जो लिस्ट हमने सरकार को दी। 100 नाम पंजाब से बाहर के हैं। बाकी नाम हमारे पास पब्लिक रिकॉर्ड से हैं। हम इनकी लिस्ट सोमवार को संसद में रखेंगे। उसकी जांच कर सरकार 700 लोगों को मुआवजा दें। राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि सरकार किसानों की मांगों को स्वीकार करेगी। उसकी मंशा सही नहीं है।

इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 5 सवाल पूछे। इनमें लखीमपुर कांड से लेकर MSP कानून तक पर जवाब मांगा।

राहुल के प्रधानमंत्री से 5 सवाल

जब PM ने कृषि-विरोधी कानून बनाने के लिए माफी मांगी तो संसद में बताएं कि

प्रायश्चित कैसे करेंगे?

लखीमपुर मामले के मंत्री की बर्खास्तगी कब?

बैंक ATM के सर्वर को ठप कर निकाल लिए 30 लाख रुपए, आरोपी गिरफ्तार

वेस्ट जिले की पुलिस ने एक ऐसे केस का खुलासा किया, जिसमें शातिर ठगों ने केनरा बैंक एटीएम मशीन के सर्वर को बंद कर करीब तीस लाख रुपये निकाल लिए। 12 नवंबर को तीन बड़ी एटीएम ट्रांजेक्शन की शिकायत मिली थी। इनमें 18,40,000, 6,40,000 और 4,80,000 रुपए तीन दिन में कैनरा बैंक के अलग अलग एटीएम मशीन से निकाले गए थे। इस मामले में ककरौला निवासी 24 वर्षीय कृष्ण गोपाल को गिरफ्तार किया है। इस पर पुराना एक अपराधिक रिकॉर्ड मिला है। पुलिस ने इसके पास से दो एटीएम कार्ड स्कीमर डिवाइस, दो एटीएम हिडन कैमरा पैनल, एक एक्सपायर डेबिट कार्ड, चार मोबाइल, एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने इसे बैंक अकाउंट को भी फ्रीज किया है, जिसमें 83 हजार रुपए हैं। दिलचस्प आरोपी ने बैंक के नर्वस सिस्टम सरीखे पूरे तंत्र को ठप किया।

फिर, आराम से अलग-अलग एटीएम मशीन से करीब तीस लाख रुपये निकाल लिए। बैंक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। अभी मामले का मुख्य आरोपी एक नाइजीरियन फरार है। डीसीपी वेस्ट डिस्ट्रिक उर्विजा गोयल के मुताबिक, जांच के दौरान पुलिस को ए ब्लॉक ख्याला स्थित एटीएम मशीन में कैप्चर हुई आरोपियों की तस्वीर भी मुहैया करवाई। ये लोग रुपए निकाल बैग में रख ले जाते नजर आए। जांच में यह भी पता चला आरोपी ने एटीएम मशीन से दस हजार रुपए निकालने की कमांड दी थी, जबकि रुपए मशीन से बीस हजार निकले थे। पुलिस को स्कूटर पर जाते दो लोग नजर आए थे। पुलिस ने स्कूटी का नंबर हासिल किया। वह कृष्ण गोपाल के नाम पर था। पुलिस उसके घर पहुंची लेकिन वह नहीं मिला। पता चला वह कहीं ओर रहता है। यह स्कूटी साल 2019 फरवरी में खरीदी गई थी। उसी साल नवंबर में कृष्ण गोपाल वसंतकुंज साउथ के एक केस में अरेस्ट हुआ था।

फिर खिंची तलवार

शीत सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य लोगों ने संसद में हंगामा कम और चर्चा ज्यादा होने की उम्मीद जताई थी, जिस पर पानी फिरता दिख रहा है। सत्र शुरू होने से कुछ ही दिनों पहले प्रधानमंत्री द्वारा तीनों कृषि कानून वापस लिए जाने की घोषणा से टकराव का एक महत्वपूर्ण मुद्दा समाप्त हो चुका था। इसलिए इस बात की उम्मीद थोड़ी बढ़ गई थी कि दोनों पक्ष तालमेल से चलें तो देश के सामने अपना पक्ष रख सकते हैं और उनके बीच मुद्दों पर स्वस्थ बहस हो सकती है।

लेकिन पहले ही दिन विपक्ष के 12 सदस्यों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करने का ऐसा फैसला आ गया, जिसने फिर सत्ता पक्ष और विपक्ष को आमने-सामने कर दिया। मामला पिछले सत्र का है, इसलिए विपक्ष इसे गैरजरूरी बता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष का कहना है कि सदन में ऐसे व्यवहार को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके लिए सजा न दी गई तो यह चलता ही रहेगा। सजा से बचने की शर्त है माफी। निलंबित सदस्य ज्यों ही अपने व्यवहार के लिए माफी मांग लेंगे, निलंबन रद्द कर दिया जाएगा। मगर विपक्ष माफी मांगने को बिल्कुल तैयार नहीं है। उसका कहना है कि जब हमारी तरफ से कोई गलती हुई ही नहीं है तो माफी किस बात की। दोनों पक्षों के इस अड़ियल रुख के चलते बीच की कोई राह निकलने की संभावना बनती नहीं दिख रही। इसमें दो राय नहीं कि पिछले सत्र में जिस तरह का दृश्य देखने को मिला उसे किसी भी रूप में शोभनीय नहीं कहा जा सकता। मगर जहां तक उसके कारणों का सवाल है तो इस पर दोनों पक्षों की अपनी व्याख्या है और इन्हीं अलग-अलग व्याख्याओं के आधार पर वे इसके लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

लिहाजा माफी का मामला अटका हुआ है और संसद का कीमती समय इसकी भेंट चढ़ता जा रहा है। जो बात दोनों पक्षों के समझने की है, वह यह कि संसदीय लोकतंत्र को सही ढंग से चलाना दोनों की संयुक्त जिम्मेदारी है और यह काम वे दूसरे पक्ष पर सारा दोष डालकर नहीं कर सकते।

चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, उनका काम दूसरे पक्ष को सुधारना नहीं है। यह जिम्मेदारी जनता की होती है। दोनों पक्षों का काम एक-दूसरे की कमियों को सिर्फ जनता की नजरों के सामने लाना होता है। अगर किसी सदस्य का आचरण सदन की मर्यादा के खिलाफ है तो दोनों पक्षों के नेतृत्व की साझा जिम्मेदारी है उस मर्यादा की रक्षा करने की। इसलिए ऐसे मामलों में बेहतर होता है विपक्षी दलों के नेतृत्व को विश्वास में लेकर कोई कार्रवाई की जाए। मौजूदा प्रकरण में भी मामले को लंबा खिंचने देने के बजाय दोनों पक्षों का नेतृत्व मिल-बैठकर जितनी जल्दी कोई बीच की राह निकाल ले उतना अच्छा।

सबसे ऊपर चुनावी हित

किरीट ए. चावड़ा

उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने आखिरकार देवस्थानम बोर्ड को भंग करने का फैसला कर लिया। खुद मुख्यमंत्री धामी ने ट्विटर पर विडियो के रूप में जारी एक बयान में बताया कि तीर्थ पुरोहितों, हक-हकूकधारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से मिल रहे फीडबैक और इस सिलसिले में गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के आधार पर उनकी सरकार ने चार धाम देवस्थानम मैनेजमेंट बोर्ड एक्ट को वापस लेने का निर्णय किया है। उत्तराखंड के लिहाज से यह एक बड़ा फैसला है। इसका काफी समय से विरोध हो रहा था। खास तौर पर राज्य का पुरोहित समुदाय इस कानून और इसके जरिए स्थापित मंदिर प्रबंधन व्यवस्था का घोर विरोधी था। इन लोगों को समझाने-बुझाने की काफी कोशिश हुई, लेकिन वे कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। अब अगर सरकार अपने कदम पीछे खींचने को तैयार हुई है तो इसकी एक व्याख्या तो यही है कि सरकार जनभावनाओं के आगे झुकी है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई सरकार जनभावनाओं का सम्मान करती हुई दिखे तो यह अच्छी बात ही मानी जानी चाहिए। दिक्कत सिर्फ यह है कि जनभावनाओं का सम्मान करने का यह ख्याल उत्तराखंड सरकार के मन में तब आया, जब चुनाव सिर पर आ चुके हैं।

गौर करने की बात है कि न तो देवस्थानम बोर्ड गठित करने का यह फैसला हाल का है और न ही इसका विरोध नया है। दिसंबर 2019 में विधानसभा में इस बिल को पेश किए जाने पर सदन के अंदर ही नहीं, बाहर भी इसका कड़ा विरोध हुआ था। उसके बाद भी विरोध जारी रहा। लेकिन सरकार अपने फैसले पर अडिग रही क्योंकि उसका कहना था कि अन्य राज्यों में की गई समानांतर व्यवस्थाओं का अध्ययन करने के बाद और राज्य के तीर्थस्थलों के समन्वित विकास के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इससे न केवल तीर्थस्थलों पर दिखने वाली अव्यवस्था की स्थिति समाप्त होगी बल्कि यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधाओं का ख्याल रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का सुनियोजित और समन्वित प्रयास भी संभव होगा।ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि जब इतना सोच-समझकर और राज्य के व्यापक हित में यह कदम उठाया गया था तो फिर अचानक ऐसी क्या बात हो गई कि सरकार अपने इस सुविचारित कदम को वापस लेने को मजबूर हो गई? भले इस बीच राज्य ने तीन मुख्यमंत्री देख लिए हों, लेकिन सरकार तो बीजेपी की ही है। धामी सरकार ने अभी तक ऐसा कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, जिससे पता चले कि सरकार के संज्ञान में इस बीच कोई नया तथ्य आया जिससे वस्तुस्थिति बदल गई। ऐसे में यही संभावना सबसे मजबूत दिखती है कि बीजेपी सरकार ने चुनावी नफा-नुकसान के मद्देनजर यह फैसला किया है। अगर ऐसा है तो यह सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है। जनहित में उठाए गए कदमों की चुनावी हितों पर बलि देने की यह परंपरा किसी का भला नहीं करेगी।

पश्चिम यूपी में किसकी चल रही है हवा

जिगर डी वाढेर

लगभग दो दशक बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान आंदोलन की सफलता से उत्साहित राष्ट्रीय लोक दल अपनी शर्तों पर चुनावी समझौता कर रहा है। आरएलडी का समाजवादी पार्टी से चुनावी समझौता लगभग तय हो चुका है। क्या पश्चिम उत्तर प्रदेश की हवाएं कुछ बदल गई हैं, जो आरएलडी इस कदर उत्साहित है और उससे चुनावी समझौता करने वाली एसपी भी। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जाटलैंड की जमीनी हकीकत क्या है? वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के समय पश्चिमी उत्तर प्रदेश का दौरा करते हुए यह साफ दिखा था कि बीजेपी को शिकस्त दे पाना बहुत कठिन है। हालांकि जातीय समीकरणों की दृष्टि से विपक्षी दलों का वह सबसे मजबूत गठजोड़ था। फिर भी महागठबंधन से खड़े अजित सिंह (मुजफ्फरनगर) और उनके पुत्र जयंत (बागपत) दोनों चुनाव हार गए थे।

कई किंतु-परंतु हैं

क्या इस बार गन्ना बेल्ट में किसान आंदोलन के असर और महंगाई जैसे मुद्दों के कारण आरएलडी और समाजवादी पार्टी के गठजोड़ से बीजेपी मात खा जाएगी? यह लाख टके का सवाल है और इसका उत्तर सभी तलाश रहे हैं। प्रश्न यह भी है कि वे कौन से कारण थे कि विपक्षी दलों का मजबूत महागठजोड़ 2019 में बीजेपी को शिकस्त नहीं दे सका था और वे कौन से कारक हैं जिनके आधार पर माना जाए कि बीजेपी इस बार अपनी मजबूत जमीन खो सकती है। कहा जा सकता है कि किसान नाराज हैं, महंगाई बहुत है, मुस्लिम और जाट एकजुट हो गए हैं, इसलिए बीजेपी के लिए यह मैदान कठिन हो गया है। लेकिन जमीनी हकीकत तक पहुंचने पर इस आकलन में तमाम किंतु-परंतु लग जाते हैं।

दलितों की संख्या की दृष्टि से उर्वरा इस भूमि में इस बार बीएसपी अकेले चुनाव मैदान में है और इसमें कोई दो राय नहीं कि दलितों का एक बड़ा वर्ग फिलहाल मायावती के साथ खड़ा दिखता है। 2019 में मायावती समर्थक मतदाताओं को लगता था कि इस बार उनकी नेता प्रधानमंत्री बन सकती हैं। इसलिए वे एकजुट होकर महागठबंधन के साथ थे। इसके बावजूद परिणाम विपरीत आए। ऐसे में इस बार जब दलित एसपी-आरएलडी गठजोड़ के साथ जाते नहीं दिख रहे हैं तो क्या यह गठजोड़ चमत्कार कर पाएगा?

किसान आंदोलन का सबसे ज्यादा असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ही हुआ है। 2013 में मुजफ्फरनगर में हुए दंगों के बाद सामाजिक समीकरण बदल गए थे। लेकिन गैर-बीजेपी दलों को लगता है कि अब जाटों और मुसलमानों के बीच दूरी कम हुई है। जमीन पर यह दिखता भी है कि आपसी कटुता कम हुई है। किसान आंदोलन के नाम पर सभी एक साथ आए हैं। कुल मिलाकर, यह निश्चित है कि जाट मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग बीजेपी सरकार से नाराज है और वह आरएलडी की तरफ देख रहा है। राष्ट्रीय लोक दल उसकी स्वभाविक पार्टी रही है। लेकिन गहराई से देखने पर यह बात साफ हो जाती है कि इस नाराजगी के पीछे केवल किसान आंदोलन नहीं है। वास्तव में चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे और जाटों के एकमात्र सबसे बड़े नेता भी। 2014 में चौधरी चरण सिंह के पुत्र अजित सिंह और पौत्र जयंत दोनों चुनाव हार गए। बीजेपी समर्थक होने के बावजूद जाटों के बड़े वर्ग को इन दोनों की हार का मलाल हुआ। 2019 में महा-गठबंधन होने के बाद चौधरी साहब के समर्थकों को लगता था कि इस बार अजित सिंह और जयंत दोनों आसानी से जीत जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अजित सिंह की मृत्यु ने इस दर्द को और बढ़ा दिया। इस बीच कृषि कानून को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी और वे सब आरएलडी के झंडे तले खड़े हो गए हैं। यही कारण है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि कानूनों को रद्द कर दिया, तब भी किसानों, विशेष रूप से जाट मतदाताओं के एक वर्ग में सरकार से नाराजगी कम नहीं हुई। मुस्लिम मतदाता भी आरएलडी और एसपी गठजोड़ की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। उसे लगता है कि अभी नहीं तो कभी नहीं। बीजेपी को हराने के लिए इससे बेहतर माहौल नहीं हो सकता। किसान आंदोलन की मजबूती के नाम पर कांग्रेस ने भी किसान पंचायतें कीं, लेकिन उनका असर कम ही दिखता है। आम तौर पर कहा जाए तो आंदोलन से जुड़े हुए लोग न कांग्रेस के साथ हैं और न समाजवादी पार्टी के। उनमें अधिकांश आरएलडी के साथ खड़े हैं। यही समीकरण आरएलडी को उत्साहित कर रहा है। मुस्लिम मतदाता भी सब भूल कर आरएलडी गठबंधन के साथ है।

लेकिन मजबूती के बावजूद इस गठजोड़ को बीजेपी और बीएसपी से कड़ी चुनौती मिल रही है। वर्ष 2019 में जो दलित मतदाता महागठबंधन के साथ खड़े थे, वे फिर अपनी नेता मायावती की पार्टी के साथ आ खड़े हुए हैं। दूसरी ओर किसान आंदोलन के तमाम दावों प्रति दावों के बावजूद बीजेपी के सवर्ण और अति पिछड़े मतदाताओं में कोई पार्टी बड़ी सेंध लग पाएगी इसमें संदेह है। यह वही मतदाता है जो बीजेपी के लिए संजीवनी का काम करता है। सवाल यह है कि क्या किसान आंदोलन के चलते अति पिछड़े मतदाता आरएलडी और एसपी के साथ जाएंगे?

रोचक मुकाबला

गठबंधन तभी बड़ी कामयाबी हासिल कर पाएगा, जब उसे सभी वर्गों का समर्थन मिले। किसान आंदोलन, महंगाई ,गन्ना किसानों का भुगतान न होने जैसे तमाम मुद्दों के बल पर एसपी-आरएलडी गठबंधन बीजेपी के इस किले को भेदना चाहता है लेकिन यह आसान नहीं है। उधर, बीएसपी को जो बहुत कमजोर समझ रहे हैं वे भी जमीनी हकीकत से अनजान हैं। 2002 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोक दल ने 15 सीटें पाई थीं। इसके बाद से वह दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकी।

कहीं खत्म न हो जाए गरीबों का रिजर्वेशन

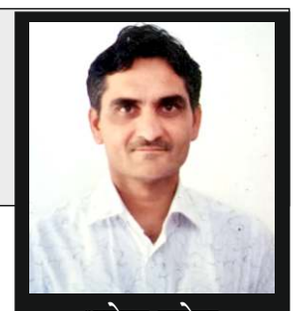

भूपेन्द्र पटेल

आजकल सर्वोच्च न्यायालय में मलाईदार परत (क्रीमी लेयर) को लेकर जोरदार बहस चल रही है। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि क्रीमी लेयर का पैमाना सबके लिए एक-जैसा क्यों हो? उसने पूछा है कि 8 लाख रुपये की सालाना आमदनी की सीमा सब पर एक-जैसी क्यों थोपी गई है? ऊंची जातियों के गरीब लोगों को जो 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है, उसका आधार क्या है? गरीब पिछड़ों और गरीब अगड़ों को एक ही तुला पर क्यों तोला जा रहा है? सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह 8 लाख रुपये की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख करना चाहती है। यानी जिन परिवारों की आमदनी 1 लाख रुपये प्रतिमाह से कम है, उनके सदस्यों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण दिया जाए। यदि यह छूट दोनों वर्गों को समान रूप से दी जाएगी तो क्या अन्य पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय नहीं होगा? कमजोर आधार अदालत का कहना है कि जो लोग सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े हुए हैं, क्या सरकार ने विस्तृत जांच करके मालूम किया है कि वे लोग ऊंची जातियों या सवर्णों की तरह ही वंचित हैं? क्या उनकी वंचना या गरीबी ऊंची जाति के लोगों की गरीबी और वंचना-जैसी ही है? सचाई तो यह है कि सरकार ने इस तरह का कोई भी व्यवस्थित अध्ययन अभी तक नहीं करवाया है। ऐसे में यही आशंका है कि कहीं सरकार ऊंची जातियों के इस 10 प्रतिशत आरक्षण को खत्म ही न कर देयह आरक्षण 2019 में मोदी सरकार ने संविधान में 103 वां संशोधन करके स्वीकृत करवाया था। जब यह प्रावधान पहले कांग्रेस सरकार करवाना चाहती थी, तब सर्वोच्च न्यायालय ने इसे रद्द कर दिया और कहा कि संविधान आर्थिक पिछड़ेपन को मान्यता नहीं देता है।

अब डर यह है कि सरकार कहीं इस प्रावधान को ही ताक पर न रख डाले। बीजेपी सरकार, जो जातीय वोटों पर कभी आधारित नहीं रही, उसने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते समय कुछ हफ्ते पहले अपने नए मंत्रियों की जातीय पहचान पर भी जोर दिया था। सरकार को ज्यादा सुविधा इसी हल में महसूस होगी कि वह 10 प्रतिशत का यह विशेष कोटा खत्म कर दे, क्योंकि आरक्षण के आर्थिक आधार को सिद्ध करना बड़ा पेचीदा मामला है। जो आर्थिक आधार एक राज्य में जीवन-यापन के लिए पर्याप्त है, वही दूसरे राज्य में अपर्याप्त हो सकता है। एक ही राज्य के दो जिलों में भी प्रति व्यक्ति आमदनी और खर्च में काफी अंतर हो सकता है।

गांव और शहर तथा नगर और महानगर में भी काफी अंतर होता है। इसीलिए अकेले आर्थिक आधार पर आरक्षण की सीमा कैसे बांधी जा सकती है और यदि बांधी ही गई तो उसके दर्जनों संस्करण सरकार और लोगों को तंग करके रख देंगे।

धर्म परिवर्तन से जाति नहीं बदलती है...आरक्षण से जुड़े मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने खींच दी लकीर अभी वास्तव में आर्थिक आधार पर आरक्षण मांगने वालों की संख्या 10 प्रतिशत से कम ही रही है। यह आरक्षण दो साल पहले शुरू हुआ था। अभी भी ऊंची जातियों के गरीब लोगों को आरक्षण की यह कला पूरी तरह आकर्षित नहीं कर सकी है लेकिन ज्यों-ज्यों समय गुजरेगा, यह मांग 10 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ सकती है। अगड़ी जातियों के ये गरीब लोग शिक्षित और जागरूक ज्यादा होते हैं। वे अपने विशेषाधिकारों के लिए नया राजनीतिक अभियान भी छेड़ सकते हैं। इस समय देश में अनुसूचितों और पिछड़ों की संख्या देश के अगड़ों से कई गुना ज्यादा है। जो सरकार लोकप्रिय बने रहना चाहती है और वोट-प्राप्ति ही जिसकी प्राणवायु है, वह देश की बहुसंख्या को खुश रखने के लिए जो कुछ कर सकती है, जरूर करेगी।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अगड़ों को जब पिछड़ों के बाद 10 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया तो उनके पैरों में काफी चुभीली जंजीरें बांध दी गई थीं। अगड़ों की आठ लाख रुपये की वार्षिक आय में उनका वेतन जोड़ा जाता रहा है जबकि पिछड़ों को जो वेतन मिलता है, वह नहीं जोड़ा जाता है। यदि वे किसान हैं तो उनकी खेती की आय भी नहीं जोड़ी जाती है। पिछड़ी जातियों में मालदार किसानों की भी कमी नहीं है। अदालत के जोर देने पर यह संभव है कि सरकार दोनों वर्गों को दी जा रही सुविधाओं और रियायतों पर शीघ्र ही पुनर्विचार करे और अदालत के सामने आरक्षण का नया नक्शा पेश कर दे। यहां मूल प्रश्न यह है कि यह जातीय आरक्षण और गरीबी-आरक्षण कब तक चलता रहेगा? यह तो ठीक है कि सदियों से चले आ रहे जातीय भेदभाव से भारतीय जनता को मुक्त करने के लिए ही हमारे संविधान निर्माताओं ने आरक्षण का प्रावधान किया था लेकिन स्वयं डॉ. आंबेडकर की इच्छा के विपरीत यह अल्पकालिक दवाई भारत की सर्वकालिक खुराक बन गई है। इसमें

मुट्ठीभर लोगों को आरक्षण का झांसा देकर करोड़ों गरीबों को जस का तस सड़ते रहने के लिए मजबूर कर दिया है। मेहनतकश मजदूर लोग, वे किसी भी जाति या मजहब के हों या किसी भी गांव या शहर के हों, गरीबी का नरक भोगने के लिए विवश हैं।

गाढ़ा होता जातिवाद

नौकरियों और शिक्षा में जातीय आरक्षण ने हमारे देश में जातिवाद के जहर को पहले से भी गाढ़ा कर दिया है। कोई भी पार्टी जातिवाद का सहारा लिए बिना चुनाव की वैतरणी पार नहीं कर सकती। जातिवाद के जहर से भारत के सभी धर्म त्रस्त हैं। जो धर्म, जातियों को मानते ही नहीं, उनमें भी जातीय ऊंच-नीच का भाव जीवित है। भारत ही नहीं, मैंने भारत के पड़ोसी देशों में भी देखा है कि जातिवाद ने उनके सामाजिक जीवन को डस रखा है। यदि भारत में शिक्षा और चिकित्सा लगभग मुफ्त कर दी जाए और वह सबको समान रूप से उपलब्ध हो तो नौकरियों में जातीय आरक्षण की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। जिन्हें पिछड़ा और अनुसूचित कहते हैं, वे लगभग 100 करोड़ लोग कुछ ही वर्षों में भारत को एक महाशक्ति और महासंपन्न राष्ट्र में परिवर्तित कर सकते हैं।

भिवंडी के मातोश्री वृद्धाश्रम में फिर मिले कोरोना के 17 मरीज, संख्या बढ़कर हुई 90

भिवंडी, भिवंडी तालुका के पडघा के पास खडवली स्थित मातोश्री वृद्धाश्रम में कोरोना के फिर 17 मरीज पाए गए। इन्हें इलाज के लिए ठाणे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वृद्धाश्रम से संबंधित कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। तालुका स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृद्धाश्रम को कंटेनमेंट जोन घोषित करके आसपास के लोगों को मास्क एवं सैनेटाइज का उपयोग करने के साथ सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की अपील की जा रही है। पड़घा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधिकारी डॉ. अमोल भोर ने बताया कि अभी 18 लोगों की जांच रिपोर्ट नहीं आई है| रिपोर्ट आने के बाद मरीजों की संख्या बढ़ सकती है।

बता दें कि खडवली नदी के पास सोर स्थित मातोश्री वृद्धाश्रम में बुखार से पीड़ित एक वृद्ध को शुक्रवार को पडघा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था, जहां चिकित्साधिकारी ने उनकी कोरोना की जांच कराने की सलाह दी थी। वृद्धाश्रम प्रशासन द्वारा कराई जांच में वह पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद चिकित्साधिकारी एवं उनके सहायक डॉ. दिनकर पांडे की टीम ने वृद्धाश्रम में 109 लोगों की कोरोना जांच की। इनमें 61 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने पॉजिटिव मरीजों को ठाणे के सिविल अस्पताल में भर्ती करा दिया था। इनके अलावा उनके परिवार के संपर्क में आए पांच लोगों की जांच कराकर उन्हें भी भर्ती करा दिया गया है। इसके कारण वृद्धाश्रम में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है।

निगेटिव लोग आरटी-पीसीआर में आए पॉजिटिव

भिवंडी तालुका के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव वाघमारे ने बताया कि निगेटिव पाए गए लोगों का आरटी-पीसीआर कराने के बाद उनमें से 17 लोग पॉजिटिव पाए गए। इन्हें भी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है . वृद्धाश्रम में पाए गए 17 नए मरीजों सहित इस समय 155 लोगों का इलाज चल रहा है। डॉ. वाघमारे ने बताया कि कोरोना संक्रमण के प्रतिबंधात्मक उपाय के लिए भिवंडी के ग्रामीण इलाके के लिए 3,28,330 डोज दिए गए थे। जिनमें 2,31,698 लोगों को पहली खुराक दे दी गई है। इसी तरह 84,845 लोगों को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। ग्रामीण के विभिन्न इलाकों में लोगों को टीका देने के लिए 2467 सत्र का आयोजन किया गया था। उन्होंने बताया कि तालुका में 18 वर्ष की उम्र से अधिक कुल 3,44,443 लोगों को टीका दिया जाना है।

सौराष्ट्र भारत पेपर हुआ 'दैनिक' धूमधाम से हुआ विमोचन

गणेश पाण्डेय । मुंबई साप्ताहिक पेपर सौराष्ट्र भारत लोकप्रियता की आयाम और पाठकों की भारी मांग पर 'दैनिक' किया गया है पेपर का विमोचन सौराष्ट्र भारत के मुख्य कार्यालय मलाड मे किया गया इस अवसर पर मुख्य संपादक और प्रकाशक केपी तिवारी संपादक दिनेश वर्मा कल्पना सिंधे कार्यकारी संपादक शोभा बनसोडे विज्ञापन हेड गणमान्य व्यक्तियो मे नीरज सिंह समाजसेवी अखिलेश पांडेय, संजय राय नवीन मुंबई व्युरो हेड तारकेश्वर राय,भगवत तिवारी सहित तमाम लोग उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

महापरिनिर्वाण दिवस के लिए चैत्यभूमि के आसपास लगेंगे यातायात प्रतिबंध

मुंबई, डॉ. बी. आर. आंबेडकर की पुण्यतिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) पर छह दिसंबर को हजारों अनुयायियों के मध्य मुंबई के दादर में चैत्य भूमि आने की उम्मीद है, इसलिए शहर की पुलिस ने शनिवार से यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन का फैसला किया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शनिवार से लोग डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए शहर में पहुंचने लगेंगे और उनमें से अधिकतर के मंगलवार तक यहां रहने की संभावना है।

यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''चैत्य भूमि के आसपास बड़े पैमाने पर भीड़ को देखते हुए, यातायात की आवाजाही को आसपास की सड़कों की ओर मोड़ दिया जाएगा। यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए शनिवार दोपहर से मंगलवार तक कुछ प्रतिबंध लगाए जाएंगे।''पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि इन अस्थायी परिवर्तनों के तहत दादर पश्चिम में एस. के. बोले रोड, सिद्धि विनायक जंक्शन से हनुमान मंदिर तक एकतरफा मार्ग खुला रहेगा और मंदिर से कोई प्रवेश नहीं होगा। भवानी शंकर रोड, हनुमान मंदिर या दादर कबूतरखाना से गोखले रोड दक्षिण से लगने वाले चौक तक एक ही मार्ग यातायाता के लिए खुला रहेगा। बेस्ट बसों और आपातकालीन या जरूरी सेवाओं को छोड़कर किसी वाहन का कोई प्रवेश नहीं होगा।

पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह निलंबित, अनियमितता और खामियों के लिए ठाकरे सरकार ने की कार्रवाई

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। सिंह के साथ-साथ ठाणे अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त रहे पराग मानेरे को भी निलंबित किया गया है। इससे पहले मुंबई की एक कोर्ट ने उन्हें फरार अपराधी घोषित करने का आदेश निरस्त कर उन्हें राहत दी थी। सिंह पर 'अनियमितता व खामियों' का आरोप लगाया गया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सिंह व मानेरे के निलंबन के आदेश पर हस्ताक्षर किया। बाद में गृह विभाग के संयुक्त सचिव वेंकटेश भट्ट ने सिंह के निलंबन से जुड़ा आदेश जारी किया। सिंह को आल इंडिया सर्विस रूल की धारा

3(1) और 3(3) के तहत तुरंत प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित करने का फैसला किया गया है। निलंबन के दौरान सिंह को राज्य के पुलिस महानिदेशक की इजाजत के बिना राज्य से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी। आदेश में सिंह पर अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज जबरन वसूली का आरोप है। बिना इजाजत के ड्यूटी से गैरहाजिर रहने पर सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का फैसला लिया गया।

अवैध वसूली के कई केस

अवैध वसूली मामले में सिंह के खिलाफ मुंबई व अन्य जगह केस दर्ज किए गए हैं। इसे लेकर वह कई दिनों तक सामने नहीं आए थे। वह पूछताछ के लिए समन जारी करने पर भी पेश नहीं हुए थे। उनके खिलाफ गैर जमानती व जमानती वारंट जारी किए जा चुके थे।

अब 'फरार' नहीं मुंबई पुलिस के आवेदन पर कोर्ट ने 17 नवंबर को उन्हें फरार अपराधी घोषित किया था।

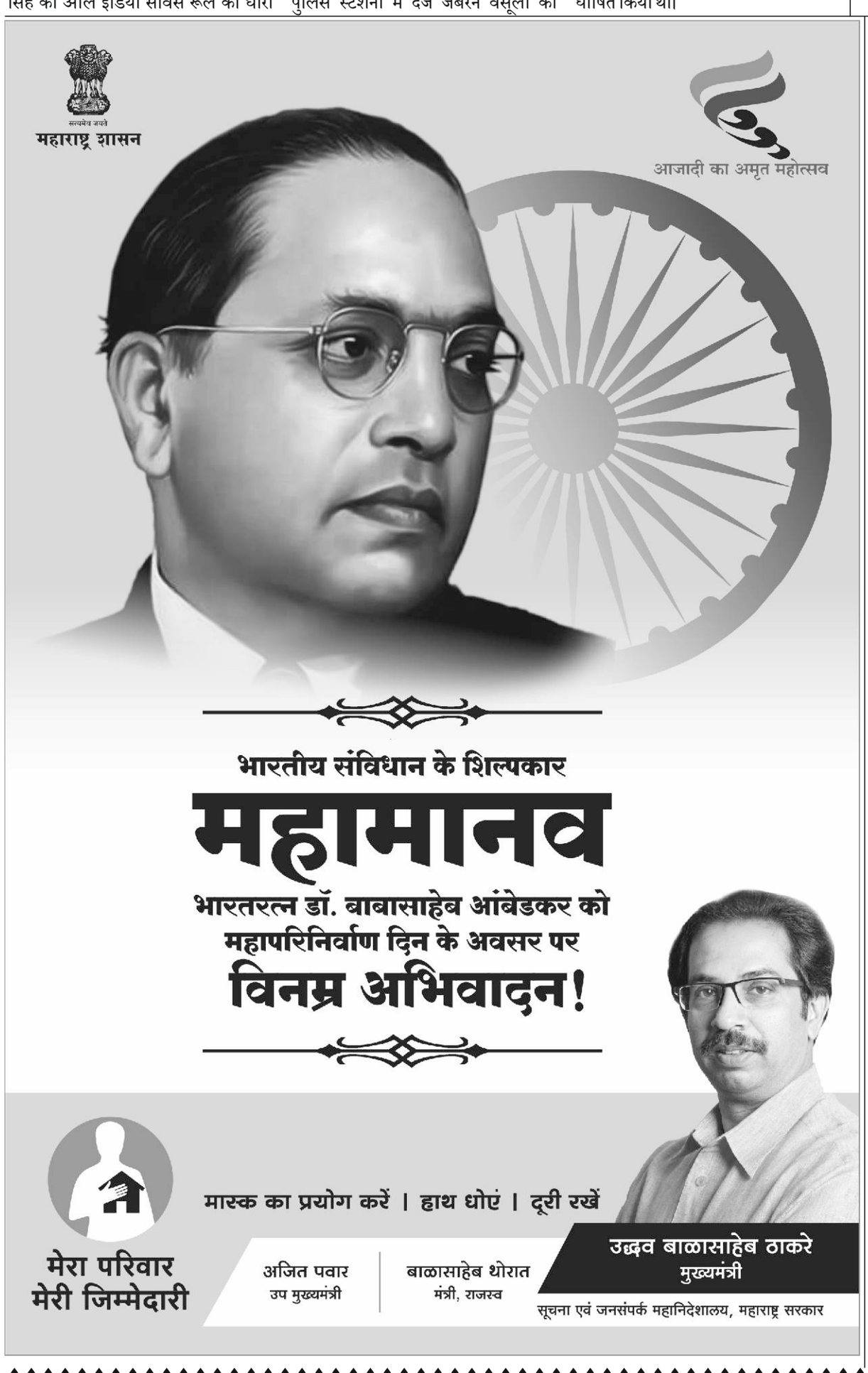

घर में घुसे डकैतों ने बुजुर्ग दंपत्ति के साथ मारपीट के बाद लूटे ढाई लाख के गहने!

- *कोरोना टेस्ट के नाम पर आधी रात हुई लूट*
- *महाराष्ट्र के बीड जिले के भड़गांव की घटना*
- *स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की*
- *डकैतों ने कहा कि हम कोरोना टेस्ट करने आए हैं*

बीड, गुरुवार की सुबह महाराष्ट्र के बीड जिले की माजलगांव तहसील में मौजूद एक घर में सुबह-सुबह 6 डकैत घुसे। डकैतों ने बुजुर्ग दंपत्ति के साथ मारपीट कर घर में रखे हुए सोने चांदी के गहने और ढाई लाख रुपए लूट लिए। हैरत की बात यह है कि सुबह के वक्त घर में घुसते समय इन लोगों ने कहा कि 'चुप रहो हम कोरोना टेस्ट करने आए हैं' यह कहकर घर में घुसते ही उन्होंने मारपीट शुरू कर दी।

सुबह 2 बजे घर में घुसे डकैत

बीड के भड़गांव में लक्ष्मणराव शिंदे और उनकी पत्नी सावित्री लक्ष्मण शिंदे रहती हैं। यह परिवार खेती किसानी करके अपना गुजर-बसर करता है। इनके तीन विवाहित बच्चे और उनकी पत्नियां बच्चों सहित यहीं रहती हैं। रात के समय उनका बड़ा बेटा राजेश शिंदे घर आया था और मेन गेट को बंद करके वह ऊपर के कमरे में सोने के लिए चला गया। जबकि नीचे सावित्रीबाई और लक्ष्मणराव सो रहे थे। गुरुवार की सुबह 2 बजे के आसपास 6 डकैतों ने घर में प्रवेश किया। बुजुर्गों को चाकू दिखाकर उनके साथ लाठी से मारपीट की गई।

कोरोना टेस्ट करने आए हैं...

डकैतों के घर में घुसते ही बुजुर्गों ने शोर मचाना शुरू किया। इसके बाद उनके साथ बुरी तरह से मारपीट की गई। इस दौरान डकैतों ने कहा कि 'चुपचाप बैठो हम कोरोना का टेस्ट कर रहे हैं'। जिसके बाद डकैतों ने अलमारी में रखे सारे सामान को बाहर निकाल दिया। जिसमें से सोने के गहने और नगद रकम मिलाकर तकरीबन 2 लाख 47 हजार का सामान लूट कर ले गए।

मामला दर्जः दुकान के प्रबंधक व नौकरानी ने ही लगाया 20 लाख का चूना

नागपुर। लकड़गंज क्षेत्र में एक दुकानदार को 20 लाख रुपए की चपत लगाने वाले दुकान प्रबंधक व नौकरानी सहित 3 आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों के नाम सुमित राजकुमार खेमानी (38) साईंकुटी अपार्टमेंट निवासी, यशोदा डोमेश वैद्य (26) और उसका पति डोमेश गजानन वैद्य (37) तुलसीनगर निवासी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्लॉट नं. 558, आहूजा नगर, जरीपटका नागपुर निवासी हरीश ठाकुरदास वंजानी (43) ने लकड़गंज थाने में तीनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी लकड़गंज क्षेत्र में निकालस मंदिर रोड, ॲपेक्स मेडिकल स्टोर्स के पास, साईं स्टेशनरी नामक दुकान है। उनकी साई स्टेशनरी नामक दुकान में आरोपी सुमित राजकुमार खेमानी प्रबंधक है। यशोदा दुकान में नौकरानी है।

ट्रक तलाश कर रही थी फाइनेंस कंपनी, कबाड़ में मिला

नागपुर। एक फाइनेंस कंपनी रेत के ट्रक को जब्त करने के लिए तलाश में थी, लेकिन पता चला कि ट्रक कबाड़ में काट डाला गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राखुंडे नगर वाठोड़ा निवासी प्रसाद तुकडोजी मेश्राम (39) ने पुलिस को बताया कि 10 पहिया ट्रक क्रमांक एम एच 31 सी क्यू- 3251 को फाइनेंस कंपनी से किश्त पर खरीदा था। लॉकडाउन लगने पर किश्त नहीं भर पा रहा था। प्रसाद ने 3 जुलाई 2020 से 1 दिसंबर 2021 के बीच ट्रक को आरोपी जमरुउद्दीन नुरुउद्दीन शेख (26) प्लाट नंबर 39 बजरंग ले आउट नागपुर निवासी को 7 लाख 85 हजार रुपए में बेचा था।

महिलाओं से दुष्कर्म करने वाले आरोपियों पर मामला दर्ज

नागपुर। तीन महिलाओं की शिकायत पर 3 आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज किया गया। आरोपी मनीष तांबेकर और प्रदीप कुमार माखिजानी पर जरीपटका और सागर सदाफल पर बेलतरोड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया। घटनाएं अलग-अलग स्थानों पर हुईं। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय महिला ने आरोपी मनीष तांबेकर (38) के खिलाफ जरीपटका थाने में दुष्कर्म की शिकायत की है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी आरोपी से जान-पहचान हो गई। आरोपी का उमरेड में पानठेला है। आरोपी ने कई बार पीड़िता का पीछा कर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। पीड़िता और आरोपी की शादी हो चुकी है। आरोपी ने मई 2020 से दिसंबर 2021 के दरमियान पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर जरीपटका थाने में मामला दर्ज किया है।

नागपुर पुलिस विभाग को मिलेंगे चार नए सहायक पुलिस आयुक्त

नागपुर। लंबे अंतराल के बाद राज्य के 175 पुलिस निरीक्षकों को राज्य सरकार ने पदोन्नति दी। इसके साथ ही उनका तबादला भी किया गया। पदोन्नति पानेवालों में नागपुर के 5 वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों (पीआई) का समावेश है। सूत्रों के अनुसार गुरुवार को राज्य के पुलिस विभाग के लिए खुश खबर सामने आई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों को पदोन्नति देकर उन्हें सहायक पुलिस आयुक्त बनाया गया। नागपुर में कार्यरत रहे तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष खांडेकर की अब वर्धा से नागपुर में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), सुनील ताजने नागपुर से गोंदिया में उपविभागीय अधिकारी, प्रतापनगर के थानेदार दिनकर ठोसरे की गोंदिया में उपअधीक्षक के रूप में पदोन्नति देकर नियुक्ति की गई है।

दहेज प्रताड़ना मामले को स्थानांतरित करने पर रोक

नागपुर। उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ ने दहेज प्रताड़ना के मामले को चंद्रपुर से पुणे स्थानांतरित करने पर रोक लगा दी है। इस मामले में रामनगर पुलिस स्टेशन, चंद्रपुर पुलिस अधीक्षक और चतुश्रृंगी पुलिस स्टेशन को प्रतिवादी बनाया गया है। दो सदस्यों की खंडपीठ में न्यायमूर्ति महेश सोनक और पुष्पा गणेडीवाला ने चंद्रपुर पुलिस में दर्ज एफआईआर पर सघन जांच करने का भी निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता पीड़िता की ओर से चंद्रपुर के रामनगर पुलिस स्टेशन ने दहेज प्रताड़ना के मामले को पुणे के चतुश्रृंगी पुलिस स्टेशन में स्थानांतरण को लेकर विरोध जताया था।

एसटी के 498 कर्मचारी निलंबित

मुंबई। एसटी महामंडल ने हड़ताल में शामिल 498 कर्मचारियों को गुरुवार को निलंबित कर दिया। जबकि 36 कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी। इस कार्रवाई के साथ ही एसटी के अभी तक 9 हजार 141 कर्मचारी निलंबित किए जा चुके हैं। वहीं 1928 कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। इस बीच एसटी के 18 हजार 882 कर्मचारी काम पर लौटे। जबकि 73 हजार 384 कर्मचारियों ने हड़ताल को जारी रखी। इधर, एसटी की दिन भर में 1348 बसें संचालित हुई।

बेटे की चाहत में कर दी बेटी की हत्या

मुंबई। बरतन बेचने वाली महिला द्वारा बच्चा चोरी किए जाने का दावा करने वाली महिला ने खुद अपनी तीन महीने की बेटी की हत्या कर उसका शव पानी की टंकी में फेंक दिया था। कालाचौकी के फेरबंदर इलाके में हुई इस वारदात की छानबीन के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने हत्या की आरोपी मां सपना मगदूम को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने बताया कि उसे एक बेटी पहले से थी वह बेटा चाहती थी लेकिन दूसरी बार भी बेटी हुई। इसी से परेशान होकर उसने दूसरी बेटी की हत्या कर दी। महिला ने पुलिस को बताया कि उस पर बेटे के लिए परिवार वालों का दबाव था।

गैंगरेप-हत्या का आरोपी फांसी की सजा से हुआ बरी

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने दो महिलाओं के साथ सामुहिक दुष्कर्म व एक महिला की हत्या करने के मामले में फांसी की सजा पाए आरोपी को बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी पर लगे आरोपों को संदेह से परे जाकर साबित करने में विफल रहा है। इसलिए आरोपी की फांसी की सजा को कायम नहीं रखा जा सकता है। न्यायमूर्ति साधना जाधव व न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाते हुए मामले में दोषी पाए गए आरोपी रहिमुद्दीन शेख को तत्काल जेल से रिहा करने का निर्देश दिया है।

क्या हम कोविड के तीसरे चरण में हैं?

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, ओमिक्रोन का पहली बार दक्षिण अफ्रीका में 9 नवंबर 2021 को पता चला था।

दक्षिण अफ्रीका और दुनिया भर के शोधकर्ता ओमाइक्रोन के कई पहलुओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए अध्ययन कर रहे हैं और उपलब्ध होते ही इन अध्ययनों के निष्कर्षों को साझा करना जारी रखेंगे।

यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि डेल्टा सहित अन्य प्रकारों के संक्रमण की तुलना में ओमाइक्रोन के साथ संक्रमण अधिक गंभीर बीमारी का कारण बनता है या नहीं। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिण अफ्रीका में अस्पताल में भर्ती होने की दर बढ़ रही है, लेकिन यह ओमिक्रॉन के साथ विशिष्ट संक्रमण के परिणामस्वरूप संक्रमित होने वाले लोगों की कुल संख्या में वृद्धि के कारण हो सकता है। वर्तमान में भारत सरकार अपनी राज्य सरकार के अच्छे समर्थन के साथ सक्रिय कदम उठा रही है कि भारतीय संक्रमित नहीं हो रहे हैं। सक्रिय सुरक्षा उपायों को लागू करना आवश्यक है क्योंकि हम एक आबादी वाले देश हैं और संक्रमण बहुत तेजी से फैल सकता है।

हां, तीसरे चरण की बात करें तो अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यदि मामलों की संख्या बढ़ती है या नया संस्करण अधिक सक्रिय हो जाता है तो हम निश्चित रूप से तीसरा चरण देखेंगे। लेकिन अभी कुछ भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम अफवाहों पर विश्वास न करें। सरकार की घोषणा से पहले हम इसे चरण 3 नहीं कहते हैं।

हमें क्या करना चाहिए?

बुनियादी सुरक्षा उपायों का पालन करें।

वही करो जो तुम अब तक करते आए हो। मास्क पहनें, सामाजिक दूरी बनाए रखें और सरकार द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

किसी भी विदेशी यात्री से मिलने से बचें।

किसी भी विदेशी भूमि से भारत की यात्रा करने वाले किसी भी व्यक्ति से मिलने न जाएं। 14 दिन का आइसोलेशन खत्म करने के बाद ही उनसे मिलें।

विदेश यात्रा न करें।

उच्च जोखिम वाले किसी भी देश की यात्रा न करें। घरेलू यात्रा करने से भी बचें। हो सके तो घरेलू यात्रा करने से भी बचें।

अंत में कोई अफवाह न फैलाएं और केवल विश्वसनीय स्रोत से खबरों पर विश्वास करें।

बड़ा सवाल- क्या पांच दशक पहले ही ओमिक्रॉन वैरिएंट का चल गया था पता? जानिए क्या है पूरा माजरा

नवंबर के आखिर हफ्तों में सामने आए कोरोना के सुपर संक्रामक माने जा रहे ओमिक्रॉन वैरिएंट ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। हालिया रिपोर्टस के मुताबिक अब तक यह वैरिएंट दुनिया के करीब 23 देशों में फैल चुका है। इतना ही नहीं बताया जा रहा है कि कोरोना के अन्य वैरिएंट्स को जिस स्तर तक पहुंचने में 100 दिन से अधिक का समय लगा था, वहीं ओमिक्रॉन

वैरिएंट को इसके लिए महज 10 दिन का वक्त लगा। इससे स्पष्ट होता है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट काफी अधिक संक्रामक हो सकता है। पर क्या कोरोना के इस वैरिएंट के बारे में दुनिया को करीब पांच दशक पहले ही पता चल गया था?असर में ट्विटर पर ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर किए जा रहे कुछ ट्वीट्स के चलते लोगों के मन में इस तरह के सवाल आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक पोस्टर वायरल हो रहा है जिसमें साल 1963 में आई फिल्म द ओमिक्रॉन का एक पोस्टर तेजी से वायरल हो रहा है जिसे देखकर लोग इस बात के कयास लगा रहे हैं कि वैज्ञानिकों को वर्षों पहले ही इस वैरिएंट के बारे में पता चल गया था।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है पोस्टरअसल में सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर का कंटेंट ही कुछ ऐसा है जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहा है। पोस्टर का टैग लाइन है- द डे द अर्थ वाज टर्नड इनटू ए सेमेट्री- द कोरोना वैरिएंट, जिसका हिंदी मतलब होता है, वह दिन जब धरती कब्रिस्तान बन जाएगी। मौजूदा हालात का इससे मिलता जुलता लगना स्वाभाविक है। इतना ही नहीं मशहूर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने भी इस पोस्टर को ट्वीट करते हुए लिखा है कि 'यह फिल्म 1963 में ही आ गई थी, जरा इसका टैगलाइन तो देखिए।'

चेतन बुट्टी

क्या है असलियत?सोशल मीडिया पर द ओमिक्रॉन नाम से वायरल इस पोस्टर की हकीकत जानने के लिए हमने साल 1963 में आई इस हॉलीवुड फिल्म के बारे में पढ़ना शुरू किया। इस दौरान पता चला कि इस फिल्म का कोरोना वायरस से कोई संबंध ही नहीं है। यह फिल्म दरअसल एक साइंस फिक्शन थी जिसमें एलिएन्स के बारे में दिखाया गया था। सार्स-सीओवी-2 वायरस का नहीं है इससे संबंधदिसंबर 2019 में पहली बार चीन के वुहान शहर में सामने आए सार्स-सीओवी-2 वायरस के कारण होने वाली कोविड-19 बीमारी के बारे में पता चला। इससे पहले साल 2003 में सार्स फैमिली के वायरस के कारण ही दुनिया को पहली बार कोरोना का संकट झेलना पड़ा था। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक साल 2003 से पहले कोरोना के बारे में किसी को जानकारी नहीं थी, जबकि सोशल मीडिया पर जिस फिल्म का पोस्टर वायरल है वह 1963 में आई फिल्म थी।

कोविड-19 के बारे में जान लीजिएसबसे पहले 2019 के आखिर में नोवल कोरोना वायरस के मामले दुनिया के सामने आए। कुछ देशों में इसकी दो तो कुछ जगह पर तीन लहरें आ चुकी हैं। आंकड़ों के मुताबिक नोवल कोरोना वायरस से अब तक 26.44 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि 52.52 लाख से अधिक लोगों की इससे मौत हो चुकी है। वहीं भारत में कुल 3.46 करोड़ से अधिक लोग सार्स सीओवी-2 वायरस की चपेट में आ चुके हैं।

नोट: यह लेख सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टर के फैक्ट चेक आधार पर तैयार किया गया है।

दिल की बीमारी रोकने का आसान तरीका-हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा घटाना है तो रात में 10 से 11 बजे के बीच में सो जाइए, रिसर्च में दावा

रंजनबेन मसोया

हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा घटाना है तो रात में 10 से 11 बजे के बीच सो जाइए। वैज्ञानिक इस समय को 'गोल्डन आवर' कहते हैं, उनका मानना है इंसान के सोने का समय और दिल की बीमारियों के बीच एक कनेक्शन पाया गया है। खासकर महिलाओं में जो देर से सोती हैं।

यह दावा इंग्लैंड की एक्सेटर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपनी हालिया रिसर्च में किया है। शोधकर्ताओं का कहना है, अगर आप आधी रात में या काफी देर से सोने के लिए जाते हैं तो हार्ट डैमेज हो सकता है।

इंसान की नींद और दिल की बीमारी के बीच है ये कनेक्शन

शोधकर्ताओं का कहना है, इंसान की नींद और दिल की बीमारी के बीच एक कनेक्शन है। जो लोग देरी से सोते हैं वो सुबह देरी से उठते हैं, उनकी बॉडी क्लॉक डिस्टर्ब हो जाती है। हार्ट पर बुरा असर पड़ता है। इस तरह रात में जल्दी सोकर दिल की बीमारियों का खतरा कम कर सकते हैं।

88 हजार लोगों पर हुई रिसर्च

शोधकर्ताओं का कहना है, हमनें 43 से 74 साल के बीच के 88 हजार ब्रिटिश वयस्कों पर रिसर्च की। रिसर्च में शामिल लोगों के हाथ में ट्रैकर पहनाया गया। ट्रैकर के जरिए उनके सोने और उठने की एक्टिविटी को मॉनिटर किया गया। इसके अलावा उनसे लाइफस्टाइल से जुड़े सवाल-जवाब भी किए गए।

ऐसे लोगों में 5 साल तक हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट फेल्योर का मेडिकल रिकॉर्ड रखा गया और इसकी तुलना की गई।

क्या कहते हैं रिसर्च के परिणाम

रिसर्च के रिजल्ट बताते हैं कि जिन मरीजों में हर रात 10 से 11 बजे के बीच नींद लेना शुरू किया उनमें हृदय रोग के मामले सबसे कम थे। वहीं, जो लोग आधी रात के बाद सोते हैं, उनमें यह खतरा 25 फीसदी तक अधिक होता है। बॉडीक्लॉक को बिगड़ने से रोकती है नींद

यूरोपियन हार्ट जर्नल में पब्लिश रिसर्च कहती है, हम लोगों को प्रेरित कर रहे हैं कि जल्दी सोकर दिल की बीमारियों का खतरा कम किया जा सकता है। शोधकर्ता डॉ. डेविड प्लान्स कहते हैं, 24 घंटे चलने वाली शरीर की अंदरूनी घड़ी ही हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखती है। इसे सरकेडियन रिदम कहते हैं। देर से सोने पर सरकेडियन रिदम बिगड़ती है। इसलिए इसे बेहतर करने की जरूरत है।

इंसान की नींद और हृदय रोग के बीच यह है कनेक्शन

जो देर से सोते हैं वो सुबह देरी से उठते हैं। नतीजा, उनकी बॉडी क्लॉक डिस्टर्ब हो जाती है

बॉडी क्लॉक डिस्टर्ब होने का असर हार्ट अटैक, हार्ट फेल और स्ट्रोक के रूप में दिखता है

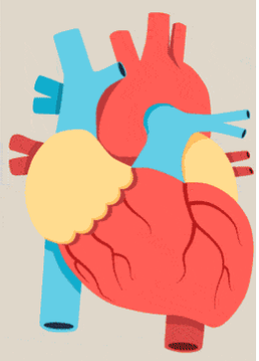

सावधान: कमजोर इम्यूनिटी के अलावा ऐसे लोगों में भी ओमिक्रॉन वैरिएंट का खतरा अधिक, अध्ययन में बड़ा दावा

भारत सहित दुनिया के करीब 23 देशों में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट का कहर देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टस के मुताबिक कर्नाटक में मिले दो ओमिक्रॉन संक्रमितों के बाद से देशभर में सुरक्षा और सख्ती बढ़ा दी गई है। अध्ययनों में बताया जा रहा है कि कोरोना के इस नए वैरिएंट में पहली बार 30 से अधिक म्यूटेशन देखने को मिले हैं, जो इसे अन्य वैरिएंट्स के अपेक्षाकृत अधिक संक्रामक और घातक बनाते हैं। इतना ही नहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि इस वैरिएंट में अधिक म्यूटेशनों के कारण यह आसानी से शरीर में वैक्सीन से बनी प्रतिरक्षा को भी चकमा दे सकता है। ऐसे में लोगों

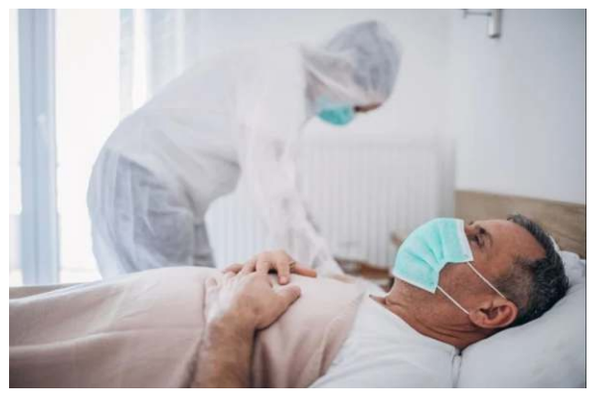

को मन में एक सवाल बना हुआ है कि आखिर ओमिक्रॉन वैरिएंट से किन्हें सुरक्षित माना जा सकता है, साथ ही किन लोगों में इसका जोखिम अधिक हो सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के अन्य वैरिएंट्स की तरह ओमिक्रॉन वैरिएंट भी उन लोगों के लिए ज्यादा खतरनाक हो सकता है जिनकी इम्यूनिटी पहले से ही काफी कमजोर है। इसके अलावा हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने कुछ विशिष्ट ब्लड ग्रुप का भी जिक्र किया है जिनमें कोरोना के संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

उजाला सिग्नस हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ शुचिन बजाज बताते हैं, इम्यूनोसप्रेशिव रोगियों यानी कि जिनको इम्यूनिटी संबंधी दिक्कतें रही हैं, ऐसे लोगों के लिए कोरोना के इस नए वैरिएंट से विशेष बचाव की आवश्यकता है।

कई रिपोर्टस में ऐसे लोगों को वैक्सीन के बूस्टर डोज देने की बात की जा रही है, जिससे इन्हें अधिक सुरक्षित किया जा सके। किडनी प्रत्यारोपण, कैंसर, डायबिटीज आदि के शिकार लोगों की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है, ऐसे लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों को इस सप्ताह स्वास्थ्य में कोई बड़ी दिक्कत आ सकती है। हालांकि दूसरे मामलों के लिए सप्ताह बेहतर रहेगा। आपके नेतृत्व को सराहना मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णय मान्य होंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनने वाली है। कार्यों को गति देने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ: इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त होंगी। पुराने और बड़े खर्चों पर लगाम लगेगी। किसी पारिवारिक मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। परिश्रम का शुभ फल मिलने वाला है। संतान पक्ष के कार्य उत्तम होंगे। आलस्य का त्याग करेंगे तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाएगा। प्रेम संबंधों और दांपत्य सुख के लिए समय अच्छा है।

मिथुन : इस सप्ताह यात्राएं अधिक होंगी। पारिवारिक समागम में जाने का अवसर आएगा। विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग करते हुए कार्य करना है। नया बिजनेस प्रारंभ करने का समय है। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो शुभ रहेगा। आर्थिक मजबूती बढ़ेगी। निवेश के लिए भी सप्ताह शुभ है। बाहरी खानपान का ध्यान रखें।

कर्क : अपने काम और परिवार के बीच तालमेल बिठाकर रखें। अपनी मनमर्जी परिवार पर थोपने का प्रयास न करें। प्रेम संबंधों में सतर्क रहें। अपने और परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य पर नजर रखें। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मानसिक रूप से थोड़ी उलझन महसूस होगी।

सिंह : इस सप्ताह अपनी सेहत पर ध्यान रखें, बाहरी खानपान करते वक्त और लोगों से मिलते-जुलते समय संक्रामक रोगों का खतरा हो सकता है। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव आएगा। अपनी जिम्मेदारियों को ठीक ढंग से निभाना होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। कारोबारियों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या : सप्ताह थोड़ा उठापटक वाला रहेगा। मन में नकारात्मक बातें ज्यादा आएंगी। किसी से व्यर्थ विवाद होने के कारण मानसिक कष्ट होगा। शारीरिक रूप से भी थोड़े परेशान रह सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अधिक मेहनत का रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधीनस्थों से असहयोग रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में दिक्कत आ सकती है।

तुला : इस सप्ताह नए कार्य-व्यवसाय के लिए समय उत्तम है। पुरानी योजनाओं पर काम शुरू करें लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। प्रतिस्पर्धियों से सतर्क रहने की जरूरत है। उच्चाधिकारियों से अनबन हो सकती है। धन संबंधी मामलों के लिए सप्ताह ठीक रहेगा। पुराने निवेश से लाभ होगा।

वृश्चिक : इस सप्ताह कार्य के सिलसिले में यात्राएं अधिक करनी होंगी। इस सप्ताह आपको नए प्रेम संबंध भी प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए पुराने समय से चली आ रही चुनौतियां दूर हो जाएंगी और अपने काम में नयापन लाने में कामयाब होंगे। नौकरीपेशा को तरक्की के अवसर मिलेंगे। बीमारियों पर खर्च बढ़ने की संभावना है।

धनु : सप्ताह उन्नतिदायक रहेगा। सोचे हुए सभी काम पूरे होने के आसार हैं। नया बिजनेस, नई नौकरी, प्रेम प्रस्ताव प्राप्त होगा। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। पारिवारिक जीवन में चल रहे विवादों का निपटारा होगा। विद्यार्थियों को फोकस पढ़ाई पर रखना होगा। दांपत्य जीवन भी सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति में मजबूती रहेगी।

मकर : अपने काम और निजी जीवन में संतुलन बनानाकर रखना होगा। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह पूरे होने के योग बनेंगे। आर्थिक लाभ का समय है। किसी विशेष कार्य से पैसा कमाने का अवसर आएगा। प्रेम संबंध प्राप्त होगा। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ : परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। अपने संबंधों में दिमाग की बजाय दिल से काम लेंगे तो अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। बीमारियों पर हो रहे खर्च में कमी आएगी। अविवाहितों का विवाह प्रस्ताव मंजूर होगा। भूमि, भवन, प्रॉपटी, वाहन खरीदने का योग बन रहा है। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन : सप्ताह में कार्य की अधिकता के कारण भारी थकान का अनुभव करेंगे। इस सप्ताह आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा वरना रिश्ते खराब कर बैठेंगे। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। नए कार्य व्यवसाय की शुरुआत के लिए समय ठीक है। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

चुटकुले

सोनू- अरे सुन यार मेरे मुहं में मच्छर चला गया, अब क्या करूं?

शराबी - पगल करना क्या है, ऑल आउट पी ले जल्दी से

7 सेकंड में काम शुरू

देवर- भाभी जी, अगर मुझे दूसरा दिमाग लगवाने की जरूरत पड़ी तो मैं

आपका दिमाग लगवाना चाहूंगा

भाभी- देवर जी, मतलब आप मानते हो कि मेरे पास तेज दिमाग है?

देवर- नहीं साली जी, मुझे बस ऐसा दिमाग चाहिए जो पहले कभी यूज न हुआ हो

मध्य प्रदेश में 24 घंटे में कोरोना के 15 नए मामले; भोपाल बना हॉटस्पॉट, इंदौर दूसरे नंबर पर

देश में ओमिक्रॉन की दहशत के बीच मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे के भीतर कोरोना के 15 नए केस सामने आए हैं। इनमें भोपाल में सबसे ज्यादा 8 पॉजिटिव शामिल हैं। लगातार छठवें दिन भोपाल एमपी में नए केस के मामले पहले नंबर पर है। पिछले 6 दिन में मध्यप्रदेश के कुल 88 केस में से अकेले भोपाल में 54 मामले शामिल हैं। यानी 60% से ज्यादा केस भोपाल में ही मिल रहे हैं। इससे चिंता बढ़ गई है। दूसरे नंबर पर इंदौर है। यहां पर 6 दिन में 22 केस सामने आ चुके हैं। भोपाल में कलेक्टर अविनाश लवानिया ने बिना मास्क के घूमने पर 500 रुपए तक जुर्माना लगाने को कहा है। CM शिवराज सिंह चौहान भी संक्रमितों के बढ़ते आंकड़ों पर चिंता जता चुके हैं।

आंध्र प्रदेश में विदेश से लौटे 30 लोग लापता, RT-PCR के लिए खोज रही सरकार

आंध्र प्रदेश सरकार विदेश से लौटे 60 लोगों में से 30 लोगों को ढूंढ रही है। ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे को देखते हुए सरकार को इन लोगों का RT-PCR टेस्ट कराना है। अफ्रीका से आए 9 लोगों को मिलाकर करीब 60 पैसेंजर पिछले 10 दिनों में विशाखापत्तनम पहुंचे हैं। इनमें से 30 अभी विशाखापत्तनम में रुके हुए हैं, जबकि बाकी 30 राज्य में अलग जगहों के लिए निकल गए हैं। इनमें से कुछ लोग फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहे हैं, जिसके चलते अधिकारियों को इनके लापता होने का डर लग रहा है।

राजस्थान में ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ा, दक्षिण अफ्रीका से लौटे 4 लोग कोरोना पॉजिटिव

कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की भारत में एंट्री हो चुकी है। कर्नाटक में गुरुवार को इसके दो मामले सामने आए हैं। इधर, राजस्थान में भी चिंता बढ़ गई है। प्रदेश में 7 दिन पहले दक्षिण अफ्रीका से जयपुर आए एक परिवार के 4 लोग पॉजिटिव आए हैं। इनमें दंपती समेत उनकी दो बच्चियां (8 और 15 साल) पॉजिटिव मिले हैं। सभी को ओमिक्रॉन का संदिग्ध मानते हुए क्वारैंटाइन किया गया है। अब जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए इनके सैंपल लिए गए हैं।

दिल्ली में वैक्सीन नहीं लेने वालों की 15 दिसंबर से सार्वजनिक स्थानों पर एंट्री बैन हो सकती है

कोरोना को लेकर दिल्ली सरकार सतर्क है, यहां और भी सख्त नियम लागू किए जा सकते हैं। राज्य सरकारों ने अपने स्तर पर वायरस की रोकथाम के लिए कई पाबंदियों का ऐलान किया है। दिल्ली में 15 दिसंबर से सार्वजनिक स्थानों पर वैक्सीन नहीं लेने वाले लोगों की एंट्री पर बैन किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में इस बात का प्रस्ताव रखा गया है। नए वैरिएंट की गंभीरता और कोरोना के तीसरे लहर की आशंकाओं के बीच दिल्ली सरकार इस पर विचार कर सकती है।

दक्षिण अफ्रीका से सिंगापुर लौटे 2 यात्री ओमिक्रॉन संक्रमित, आइसोलेशन वार्ड में भेजे गए

दक्षिण अफ्रीका से सिंगापुर लौटे 2 यात्री ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाए गए हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सिंगापुर आने के बाद दोनों यात्रियों काप्रारंभिक टेस्ट किया गया, जिसमें वो ओमिक्रॉन पॉजिटिव मिले। जोहान्सबर्ग से यहां आए दोनों यात्रियों को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया हैं। उन्हें खांसी और गले में खराश जैसे हल्के लक्षण हैं। संक्रमित पाया गया पहला व्यक्ति 44 साल का सिंगापुर का नागरिक है, जो मोजाम्बिक सेजोहान्सबर्ग होते हुए यहां आया। मोजाम्बिक में 29 नवंबर को उड़ान भरने से पहले हुए कोविड टेस्ट में वह निगेटिव था। दूसरी संक्रमित 41 वर्षीय महिला भी सिंगापुर की नागरिक है। जोहान्सबर्ग में 29 नवंबर को हुए उड़ान भरने से पहले हुए टेस्ट में महिला निगेटिव पाई गई थी। दोनों फुली वैक्सीनेटेड हैं।

जर्मनी में वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों के लिए लॉकडाउन का ऐलान

जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने टीका नहीं लगवाने लोगों के लॉकडाउन का ऐलान किया है। बिना टीके वाले लोग अब सार्वजनिक स्थानों पर नहीं जा सकेंगे। यहां तक कि जरूरी सामान की खरीद भी नहीं कर पाएंगे। जर्मनी में अगले साल फरवरी से सभी लोगों के लिए वैक्सीन अनिवार्य कर दिया जाएगा।

ओमिक्रॉन के खतरे के बीच ब्रिटेन के PM बोरिस जॉनसन ने लिया कोरोना का बूस्टर डोज

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ओमिक्रॉन के खतरे के बीच कोरोना वैक्सीन का बूस्टर डोज लगवाया है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए दी। बोरिस ने वीडियो शेयर किया, जिसमें वो बूस्टर डोज लगवाते हुए दिख रहे हैं। बोरिस ने कहा- आप सभी अपनी बारी आने पर बाद बूस्टर डोज लगवाएं। हमें वायरस को दूसरा मौका नहीं देना चाहिए।

अमेरिका में 5 और ओमिक्रॉन संक्रमित मिले, कुल मामले बढ़कर 8 हुए

न्यूयॉर्क में ओमिक्रॉन के 5 नए संक्रमित मिले हैं, इनमें हवाई का 1 संक्रमित मिला था, जबकि 2 मामलें मिनेसोटा और कोलोरेडो में पाए गए है। पहला मामला कैलिफोर्निया में मिला था। कैलिफोर्निया के जिस मरीज में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई है, वह 22 नवंबर को साउथ अफ्रीका से लौटा था। कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके इस व्यक्ति ने महामारी से जुड़े बेहद हल्के लक्षण दिखने पर खुद को सेल्फ क्वारैंटाइन कर लिया था। बाद में उसका टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। उसके संपर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों के टेस्ट निगेटिव आए हैं। ओमिक्रॉन मिलने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने तुरंत नए वायरस प्लान की घोषणा की है। इसमें इंश्योरेंस का दायरा बढ़ाने और ट्रैवल बैन बढ़ाने के प्रस्ताव हैं। अमेरिका के कुल 5 राज्यों में ओमिक्रॉन के केस दर्ज किए हैं।

मौसम का मिजाज-सूरत में 75.8 मिमी बेमौसम बारिश ने 88 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, फसलें चौपट, 25 करोड़ का नुकसान, गन्ने की कटाई नहीं हो पा रही

अरब सागर में लो प्रेशर सिस्टम सक्रिय होने पर दो दिनों तक सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बेमौसम बारिश होने की संभावना जताई गई थी। मंगलवार को देर रात से ही तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई थी। बुधवार को दिनभर रिमझिम बारिश हुई। गुरुवार को भी आसमान में घने बादल छाए रहे रुक-रुक कर बारिश होती रही। पिछले 36 घंटे में औसतन 75.8 मिलीमीटर बारिश हुई। इससे दिसंबर महीने में सबसे अधिक बारिश होने का 88 साल पुराना रिकॉर्ड भी टूट गया।

पिछले 36 घंटे में औसतन 75.8 मिलीमीटर बारिश हुई।

बता दें, सूरत में वर्ष 1933 में दिसंबर महीने में सबसे अधिक 42.3 मिलीमीटर बारिश हुई थी। सूरत समेत दक्षिण गुजरात में बेमौसम बारिश होने से 40 एकड़ में गेहूं-कपास की फसलें चौपट हो गई हैं। इससे किसानों को 25 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ। सायण सुगर फैक्ट्री के डायरेक्टर दर्शन नायक ने बताया कि गन्ने की कटाई शुरू हो गई है। चीनी मिलों में रोजाना 50 हजार टन गन्ने की पेराई हो रही है। बारिश होने की वजह से गन्ने की कटाई बंद हो गई है। कटाई न होने की वजह से चीनी मिलें 10 दिनों तक बंद रहेंगी। सूरत समेत दक्षिण गुजरात में एक लाख से अधिक मजदूर गन्ने की कटाई करते हैं। कटाई बंद होने से मजदूरों को भी नुकसान होगा। भारी बारिश होने पर गन्ने की फसल खेत में ही गिर जाएगी, इससे किसानों को और नुकसान हो सकता है। बारिश होने की वजह से गन्ने की कटाई बंद हो गई है। बेमौसम बारिश से गन्ने की कटाई का काम अटका

किसान संघ के जयेश देलाड ने बताया कि बेमौसम बारिश होने से सूरत जिले में 25 करोड़ के नुकसान होने की संभावना है। निझर और मांगरोल में 40 हजार एकड़ में कपास और गेहू की फसलें चौपट हो गई हैं। इसके अलावा दक्षिण गुजरात में गन्ने की कटाई का काम रुक गया है। इससे चीनी मिलें एक सप्ताह से अधिक समय तक बंद रहेंगी। गन्ने की कटाई न होने से किसानों को नुकसान होगा।

समुद्र तट पर 55 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलेगी

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। 2 से 6 दिसंबर तक दक्षिण गुजरात में समुद्रीतट पर 45 से 55 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। वहीं समुद्र में मछली पकड़ने वालों को वापस बुलाया जा रहा है।

तहसीलवार बारिश के आंकड़े (मिमी में)

बारडोली	53
चौर्यासी	25
कामरेज	62
महुआ	81
मांडवी	37
मांगरोल	61
ओलपाड	42
पलसाणा	86
सूरत शहर	157
उमरपाड़ा	154
कुल	758

अधिकतम तापमान में 3.6 डिग्री की गिरावट पिछले दो दिनों में मौसम में बदलाव होने से अधिकतम तापमान में 14.6 और न्यूनतम तापमान में 7 डिग्री की गिरावट आई है। तापमान लुढ़कने से ठंडी बढ़ गई है। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में आर्द्रता 94 प्रतिशत दर्ज की गई। बुधवार की तुलना में गुरुवार को अधिकत तापमान में 3.6 और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

शहर में सर्वाधिक सवा छह इंच पानी गिरा सूरत शहर में सबसे अधिक सवा छह इंच बारिश दर्ज हुई है। इसके अलावा उमरपाड़ा तहसील में 6, महुआ में 3, कामरेज और मांगरोल में सवा दो इंच बारिश हुई है। मांडवी में सबसे कम 37 मिमी बारिश होने की जानकारी मिली है। शहर में सबसे अधिक बारिश होने से ठंडी बढ़ गई है। लोग ऊनी कपड़े पहनकर घर से बाहर निकल रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में ठंडी से बचने के लिए लोग अलाव जलाने लगे हैं। घर से बाहर निकलना भी बंद कर दिए।

चक्रवाती तूफान का खतरा-गुजरात में मावठ की मार के बीच तूफान जवाद की आफत, लगातार दूसरे दिन भी राज्य की 91 तालुकाओं में बारिश

राज्य में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। 91 तालुकओं में कहीं हल्की तो कहीं जोरदार बारिश हुई। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि पिछले 24 घंटे में एक इंच से 3.5 इंच तक बारिश दर्ज की गई। अब जवाद तूफान के कारण कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

इधर, पूर्वी तटीय राज्यों पर अब तूफान जवाद का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र के तूफान में बदलने की संभावना है। इसके उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट पर 4 दिसंबर की सुबह टकराने की आशंका है। तब तूफान की रफ्तार 100 किमी/घंटा रह सकती है। इससे आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मई में यास और सितंबर में गुलाब के बाद यह साल का तीसरा तूफान है, जो पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। गुरुवार की सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक 96 तहसीलों में बरसात हुई है। जिसमें सर्वाधिक बरसात गिर-सोमनाथ जिले के ऊना तथा सूरत उमरपाडा में दर्ज की गई है। सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, मोरबी, द्वारका, गिर-सोमनाथ, बोटाद, कच्छ में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी-गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बने पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर, 5 साल पहले कांग्रेस के सभी पदों से दे दिया था इस्तीफा

गुजरात में पिछले 6 महीनों से भी अधिक समय से कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख और विपक्ष के नेता ने इस्तीफा दिए जाने के बाद नई नियुक्ति को लेकर विवाद का अंत हो गया है। गुजरात कांग्रेस के प्रमुख पद की कमान ठाकोर समाज के अग्रणी और उत्तर गुजरात के कद्दावर नेता जगदीश ठाकोर को सौंप दी गई है। वहीं, जबकि विरोधी पक्ष नेता के पद पर आदिवासी नेता सुखराम राठवा का नाम शाम तक फाइनल होने की जानकारी मिली है। बता दें, ठाकोर ने अमित चावड़ा का स्थान लिया है, जिन्होंने कुछ महीने पहले स्थानीय निकाय के चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।गुटबाजी साइड में रखकरगुजरात कांग्रेस में प्रमुख पद और विपक्ष नेता के लिए लंबे समय से खींचतान चल रही थी, जिसमें अर्जून मोढ़वाडिया, सिद्धार्थ पटेल, भरतसिंह सोलंकी

और हार्दिक पटेल प्रमुख बनने के लिए लॉबिंग कर रहे थे। गुजरात कांग्रेस के नए प्रमुख के मामले में प्रभारी रघु शर्मा से लेकर राहुल गांधी तक बैठकें भी चली थी, लेकिन अंतत: गुटबाजी साइड में रखकर कांग्रेस ने जगदीश ठाकोर को प्रमुख बनाने की कवायद शुरू कर विधानसभा की आगामी चुनावों के लिए नए समीकरण खड़े किए है।

कौन हैं जगदीश ठाकोर?

पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर, उत्तर गुजरात में ओबीसी समुदाय का एक बड़ा चेहरा और अपनी वाक्पटुता के लिए जाने जाते हैं। वे दो बार विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। देहगाम 2002 से 2007 और 2007 से 2009 तक विधानसभा सीट से विधायक रहे हैं। इसके बाद कांग्रेस के टिकट पर पाटण से लोकसभा सीट जीती थी। इस तरह वे 2009 से 2014 तक पाटण से सांसद रहे हैं।

ठाकोर की राजनीति में दोबारा एंट्री!

बता दें कि साल 2016 में उन्होंने कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था, जिससे राजनीतिक बवाल मच गया था। इस्तीफे के बाद जगदीश ठाकोर ने कहा था कि अब वह केवल एक सामान्य कार्यकर्ता बनकर पार्टी के लिए काम करेंगे। ठाकोर के इस फैसले के बाद सभी को लगने लगा कि जगदीश ठाकोर का राजनीतिक करियर अब खत्म हो गया है, यानि एक तरह से उन्होंने सभी पदों से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इस तरह करीब पांच साल बाद ठाकोर की फिर से सियासत में बतौर प्रदेश अध्यक्ष एंट्री हो गई है।

बच्चों से ड्रग्स सप्लाई करवा रहे तस्कर-राजस्थान से छात्र के जरिए सूरत में अफीम की तस्करी 9वीं के छात्र के स्कूल बैग से किताबों की जगह मिली दो किलो अफीम

स्कूली बच्चों को भी नशीले पदार्थों की तस्करी के दलदल में घसीटने का मामला सूरत में सामने आया है। पूणा पुलिस ने स्कूल बैग लेकर आ रहे 17 वर्षीय किशोर की तलाशी ली तो उसके बैग से 1.98 लाख रुपए का

दो किलोग्राम अफीम मिला। 9वीं में पढ़ने वाले किशोर ने पूछताछ में बताया कि वह राजस्थान चित्तौड़गढ़ के इटावा गांव के एक व्यक्ति के कहने पर 5 हजार के बदले सूरत में अफीम की डिलीवरी करने के आया है।

पूणागाम थाना प्रभारी विजयसिंह गडरिया ने बताया कि बुधवार की शाम नियोल चेक पोस्ट निकट एक किशोर स्कूल बैग लेकर कडोदरा से सूरत आ रहा था। नियोल चेकपोस्ट के अंदर ले जाकर वहां स्कूल बैग की तलाशी लेने पर 1.98 कीमत का दो किलोग्राम अफीम मिला। वह 16 साल और 11 माह की उम्र का है और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के इटावा गांव का रहने वाला है, वहां 9वीं में पढ़ता है।

किशोर ने पुलिस को बताया कि उसी के गांव के गोपाल रतनजी शर्मा ने उसे अफीम देकर कहा था कि सूरत पहुंचने पर फोन करना। अफीम किसको देना है ये बाद में बताऊंगा। गोपाल शर्मा ने किशोर को अफीम पहुंचाने के बदले में 5 हजार रुपए देने वाला था।

पूणा पुलिस ने किशोर से दो मोबाइल और अफीम सहित 2 लाख से अधिक का माल जब्त कर अफीम भेजने वाले गोपाल शर्मा व अफीम मंगवाने वाले अज्ञात को वांटेड घोषित किया है।

बच्चों से तस्करी करवाने में जोखिम कम

पुलिस के मुताबिक बच्चों से अफीम की तस्करी करवाने के पीछे जोखिम कम होना है। लड़का अकेले ही सूरत आया था। इस तरह के मामले में पहले भी कई लोग पकड़े जा चुके हैं। इसलिए तस्कर अब बच्चों का उपयोग कर रहे हैं।

बच्चों पर पुलिस भी शक नहीं करती है। इसके अलावा अगर वे पकड़े भी जाएंगे तो जुवेनाइल एक्ट का लाभ मिलेगा।

पुलिस बच्चों को मारती नहीं है। उनकी रिमांड नहीं मिलती है और चाइल्ड वेलफेयर ऑफिसर के सामने ही उनसे पूछताछ होती है।

बच्चों से ऐसी डील करवाना आम बात

राजस्थान के कुछ जानकारों की मानें तो इस तरह की तस्करी में बच्चों का इस्तेमाल बहुत ही आम बात है। ये ऐसे बच्चे होते हैं जिन्होंने पढाई- लिखाई छोड़ दी होती है। गलत संगत में पड़ जाते हैं और इन्हें नशे की लत लग जाती है।

थोड़े-बहुत पैसे का प्रलोभन देकर उन्हें काम करवाने के लिए तैयार कर देते हैं। चित्तौड़गढ़ अफीम का एक बड़ा हब है।

आगामी वाइब्रेंट समिट की तैयारी-सीएम ने मुंबई में उद्योगपतियों के साथ की वन टू वन बैठक, टाटा संस के चेयरमैन नटराज ने गुजरात में नए निवेश की दी जानकारी

गुजरात में आगामी वाइब्रेंट समिट 2022 की जोरशोर से तैयारियां की जा रही है। देश और विदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए रोड शो भी आयोजित किया गया है। इसी क्रम में गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समिट को लेकर मुंबई पहुंचकर उद्योगपतियों से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री ने मुंबई के अग्रणी उद्योग जगत के लोगों के साथ वन टू वन बैठक की। इस दौरान टाटा संस के चेयरमैन नटराज चंद्रशेखर ने गुजरात

में आगामी 2 साल में टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट में नए निवेश की भी जानकारी दी। इस दौरान टाटा होटल्स द्वारा केवडिया स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर होटल निर्माण में भी वे आगामी समय में आगे बढ़ेंगे ऐसी तत्परता दिखाई। उन्होंने आगामी समय में टाटा केमिकल्स के प्लांट के एक्सपांशन के लिए भी तत्परता व्यक्त कर चर्चा की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ कोटक महिंद्रा बैंक के एमडी और सीईओ उदय कोटक ने वन टू वन बैठक आयोजित कर गुजरात में हुए विकास की प्रशंसा की। गिफ्ट सिटी में फाइनांस और बैंकिंग सेक्टर के लिए सुविधाएं इस सेक्टर के निवेशकों के लिए बड़ा अवसर उपलब्ध करा सकता है। उदय कोटक ने स्वयं गुजराती होने के नाते गुजरात के विकास में और समाजहित में सहभागिता के लिए भी उत्सुकता दर्शाई।

SPORTS खेल जगत

जूनियर हॉकी विश्व कप-भारतीय टीम ने बेल्जियम पर 1-0 से दर्ज की जीत, अब कल जर्मनी से होगा सामना

दो बार के चैंपियन भारत ने रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम को 1-0 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जबकि कुल चौथी बार जूनियर हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को विवेक प्रसाद की अगुवाई वाली भारतीय टीम का सामना छह बार की चैंपियन जर्मनी से होगा।भारत के लिए और मैच का एकमात्र गोल शारदानंद तिवारी (21वें मिनट) में पेनाल्टी कॉर्नर पर दागा। भारतीय टीम की यह बेल्जियम पर पांच मुकाबलों में पांचवीं जीत है।भारतीय टीम इससे पहले 1997, 2001, 2005 और 2016 में अंतिम चार में पहुंची थी। यह मैच दोनों टीमों के रक्षात्मक कौशल का शानदार उदाहरण रहा और भारत एक गोल दागकर आगे बढ़ने में सफल रहा।भारतीय रक्षापंक्ति ने नहीं दिखाई हड़बड़ी बेल्जियम ने आक्रामक शुरुआत करके भारत पर दबाव बनाया लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने किसी तरह की हड़बड़ी नहीं दिखाई और सहजता से हमलों को नाकाम किया। बेल्जियम को गोल करने का पहला मौका 13वें मिनट में मिला लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रशांत चौहान ने थीबियु स्टॉकब्रोक्स का करीब से जमाया गया शॉट रोक दिया।भारत को गोल करने का पहला मौका पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में मिला लेकिन उत्तम सिंह का प्रयास बेल्जियम के गोलकीपर बोरिस फेल्डीम ने विफल कर दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और 21वें मिनट में अपना पहला पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया जिसे तिवारी ने कुशलता से गोल में बदला।बेल्जियम को 26वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर मिला लेकिन जेफ डि विंटर का फ्लिक बाहर चला गया। भारत मध्यांतर तक 1-0 से आगे था। बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन वे भारत की रक्षापंक्ति में सेंध नहीं लगा पाए।इस बीच किसी भी टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला। बेल्जियम ने चौथे क्वार्टर में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। खेल के 50वें मिनट में भारत के दूसरे गोलकीपर पवन ने डाइव लगाकर शानदार बचाव करके रोमन डुवेकोट के प्रयास को नाकाम किया।बेल्जियम को 52वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर मिला लेकिन भारतीय रक्षकों ने उसे इसका फायदा नहीं उठाने दिया। बेल्जियम ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले अपने गोलकीपर को हटाकर अतिरिक्त खिलाड़ी उतारा लेकिन इससे भी उसे कोई फायदा नहीं मिला। उसे खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले पेनाल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारतीयों ने उसे भी नाकाम कर दिया।जर्मनी ने किया स्पेन को शूटआउट छह बार की चैंपियन जर्मनी ने स्पेन को शूटआउट में 3-1 से पराजित कर रिकॉर्ड दसवीं बार अंतिम चार में जगह बनाई। निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबरी पर था। जर्मनी ने पांचवें मिनट में क्रिस्टोफर कुटेर के पेनाल्टी स्ट्रोक पर किए गए गोल की मदद से बढ़त बना ली। इसके छह मिनट बाद ही स्पेन के इग्नासियो अबाजो (11वें) ने पेनाल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया।अगले दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका। स्पेन ने 59वें मिनट में एडुअर्ड डे इग्नासियो सिमो के गोल की मदद से बढ़त बना ली। आखिरी सीटी बजने पर जर्मनी को पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिस पर मासी फांट ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया।शूटआउट में जर्मनी के लिए पॉल स्मिथ, माइकल स्ट्रथोफ और हानेस म्यूलर ने गोल दागे जबकि मातेओ पोजारिच चूक गए।

विराट कोहली के आउट होने पर विवाद, दर्शकों ने की हूटिंग, कमेंटेटर बोले- बेचारा डर गया था अंपायर

टी-20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे विराट कोहली, मुंबई टेस्ट में शून्य पर आउट हो गए। उन्हें एजाज पटेल ने एलबीडब्लू आउट किया। हालांकि, उनका आउट होने अब विवाद का कारण बन गया है। दरअसल हुआ यूं कि 30वें ओवर की दूसरी गेंद पर चेतेश्वर पुजारा आउट हुए और विराट क्रीज पर आए। 30वें ओवर की घटनाइसी ओवर की आखिरी गेंद विराट के बैटिंग पैड पर आकर लगी और गेंदबाजी की अपील पर फील्ड अंपायर अनिल चौधरी ने उन्हें आउट दे दिया। विराट ने डिसीजन रिव्यू सिस्टम तो लिया, लेकिन वह उनके पक्ष में नहीं गया। इसके बाद विराट काफी नाराज दिखे थ। दर्शकों ने भी अंपायर की हूटिंग की। वहीं, कोहली भी बेहद नाराज नजर आए और उन्होंने गुस्से में अपना बैट बाउंड्री लाइन पर पटक दिया।कोहली ने लिया डीआरएसकोहली ने अनिल के फैसले के बाद डीआरएस लेने का फैसला लिया। रिव्यू में दिखा कि विराट के पैड पर लगने से पहले गेंद बैट से टकराई थी। हालांकि थर्ड अंपायर को लगा कि गेंद पैड और बैट पर एकसाथ टकराई है। उन्हें कोई कन्क्लूसिव एविडेंस नहीं मिला जिससे की वह फील्ड अंपायर अनिल के फैसले को बदल सकें और इस तरह कोहली को आउट करार दे दिया गया। कमेंटेटर दीप का मजाकिया अंदाजहालांकि, अंतिम निर्णय देने से पहले भी अंपायर अनिल चौधरी ने सीधे हाथ नहीं उठाया। उन्होंने टीवी अंपायर से भी बातचीत की। जब बॉल ट्रैकिंग दिखाई गई, तब 56 साल के अनिल काफी नर्वस दिख रहे थे। इसी पर कमेंटेटर दीप दास गुप्ता ने कहा- डर गया है वो (अनिल चौधरी)। कोहली गुस्से में दिखेकोहली इस फैसले से गुस्से में दिखे। वह दूसरे फील्ड अंपायर नितिन मेनन से भी बहस करते दिखे। जब कोहली पवेलियन लौट रहे थे, तो दर्शकों ने अंपायर को लेकर हूटिंग भी की। विराट कोहली टेस्ट करियर में 14वीं बार शून्य पर आउट हुए।

हाथ में बल्ला लिए राहुल द्रविड़ की आईसीसी ने शेयर की फोटो, कहा- भारत को 'द वॉल' को कहां स्थान देना चाहिए

इसमें कोई दो राय नहीं है कि राहुल द्रविड़ दुनिया भर में क्रिकेट के सबसे सम्मानित व्यक्तित्व में से एक हैं। अन्य पूर्व क्रिकेटरों के विपरीत द वॉल को लेकर शायद ही किसी को कोई संदेह हो। उन्हें क्रिकेट से संन्यास लिए हुए नौ साल बीत चुके हैं।

इसके बावजूद द्रविड़ बना हुआ है। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ उनका जुड़ाव तब भी जारी रहा जब उन्होंने रवि शास्त्री को सीनियर पुरुष टीम के कोच के रूप में रिप्लेस किया। शुक्रवार आईसीसी ने राहुल द्रविड़ की एक फोटो ट्विटर पर शेयर की। जिसके बाद वह सोशल मीडिया पर छा गए।

आईसीसी ने शेयर की फोटोशुक्रवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई में खेले जाने वाले टेस्ट मैच से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने द्रविड़ की एक फोटो अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शेयर की। इस तस्वीर राहुल द्रविड़ बैट पकड़ने नजर आ रहे हैं। आईसीसी ने कैप्शन में लिखा, भारत को राहुल द्रविड़ को कहां स्थान देना चाहिए। जिसके बाद द्रविड़ की यह फोटो जमकर वायरल हो रही है।

सोशल मीडिया पर आईं ऐसी प्रतिक्रियाएं आईसीसी द्वारा ट्विटर पर शेयर की गई द्रविड़ की इस फोटो के बाद क्रिकेट फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई।

कुछ लोगों का मानना है कि राहुल द्रविड़ को संन्यास से बाहर आकर टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में लौट आना चाहिए और उन्हें नंबर तीन पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

इस दौरान क्रिकेट फैंस ने द्रविड़ की कुछ महान उपलब्धियों के स्क्रीनशॉट भी साझा किए। पहले भी वायरल हो चुका है द्रविड़ का वीडियोभारतीय क्रिकेट टीम के कोच के रूप में द्रविड़ गेंदबाज और नेट्स में थ्रोडाउन विशेषज्ञ बन गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए अभ्यास के दौरान उन्होंने ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी की जिसकी क्लिप बीसीसीआई ने साझा की। हाल ही में रोहित शर्मा को थ्रोडाउन देते हुए उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसके बारे में खुद विराट कोहली ने ट्विटर पर बात की थी।

देश परदेश

नेपाल-अब नजर नेपाली कांग्रेस के अधिवेशन पर, देउबा की ताकत का होगा इम्तिहान

नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद अब देश का ध्यान सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस के अधिवेशन पर टिक गया है। नेपाली कांग्रेस का 14वां राष्ट्रीय अधिवेशन 10 से 12 दिसंबर तक काठमांडो में होगा। अभी नेपाली कांग्रेस में राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों का चुनाव चल रहा है। अब 61 जिलों से प्रतिनिधियों के लिए हुए चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं।नेपाली मीडिया में छप रही खबरों के मुताबिक इस अधिवेशन के दौरान प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और वरिष्ठ नेता रामचंद्र पौडेल के गुटों के बीच जोरदार शक्ति परीक्षण होने की संभावना है। इस बीच के वरिष्ठ नेता बिमलेंद्र निधि के पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की घोषणा कर देने से देउबा को तगड़ा झटका है। उधर पौडेल गुट को कई प्रभावशाली नेताओं का समर्थन मिल गया है। उनमें पार्टी महासचिव शशांक कोइराला, पूर्व पार्टी उपाध्यक्ष प्रकाश मान सिंह और वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला शामिल हैंपार्टी अध्यक्ष बनने के लिए मची होड़अखबार काठमांडो पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक बिमलेंद्र निधि का प्रमुख गढ़ प्रांत-2 है। वहां से 800 से ज्यादा प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने की संभावना है। उधर बताया जाता है कि पौडेल खेमे में कई नेता अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की इच्छा दिखा रहे हैं। पौडेल खुद चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। जबकि मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक प्रकाश मान सिंह, शशांक कोइराला, और शेखर कोइराला भी पार्टी का अध्यक्ष बनने की होड़ में खुद को शामिल बता रहे हैं।देउबा खेमे के सूत्रों ने कहा है कि अगर पौडेल खेमे से एक से अधिक उम्मीदवार सामने आए, तो प्रधानमंत्री देउबा के लिए वह अच्छी बात होगी। पार्टी का अध्यक्ष बनने के लिए किसी उम्मीदवार को उपस्थित प्रतिधिनियों के बीच कम से कम 50 फीसदी वोट हासिल करना जरूरी होगा। अधिवेशन में चार हजार से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। अधिवेशन के दौरान पार्टी अध्यक्ष के अलावा दो उपाध्यक्ष, दो महासचिव, आठ संयुक्त महासचिव और कार्यसमिति के 134 सदस्यों का भी चुनाव होगा।पौडेल खेमा नहीं माना तो देउबा बन सकते हैं अध्यक्षराजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि अगर पौडेल खेमा किसी एक उम्मीदवार पर सहमत नहीं हुआ, तो देउबा के पार्टी अध्यक्ष बनने की पूरी संभावना होगी। वैसे पार्टी में एक गुट पूर्व महासचिव कृष्ण प्रसाद सितौला का भी है। समझा जाता है कि सितौला की पार्टी में एक प्रमुख भूमिका है। इसीलिए प्रधानमंत्री देउबा हाल में उन्हें अपने पाले में लाने की कोशिश में रहे हैं।नेपाली कांग्रेस का पिछला राष्ट्रीय अधिवेशन 2016 में हुआ था। तब अध्यक्ष पद के चुनाव के पहले चरण में किसी प्रत्याशी को 50 फीसदी वोट नहीं मिला। दूसरे चरण के मतदान में सितौला ने देउबा का समर्थन किया, जिसकी वजह से पाला उनकी तरफ झुक गया। पर्यवेक्षकों के मुताबिक सितौला अब चाहते हैं कि उनके गुट के नेताओं को महासचिव, संयुक्त महासचिव और कार्यसमिति के चुनाव में पर्याप्त जगह मिले। तभी वे देउबा को अपने समर्थन का वादा करेंगे।इसीलिए देउबा और पौडेल गुटों के उम्मीदवारों की सूची का यहां बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। पर्यवेक्षकों की राय है कि उम्मीदवारों की सूची देखने के बाद ये अनुमान लगाना संभव हो सकता है कि पलड़ा किसकी तरफ झुकेगा।

भारत के आगे झुका ड्रैगन-चीन ने श्रीलंका में एनर्जी प्लांट प्रॉजेक्ट को किया निलंबित

चीन ने श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की एक परियोजना को निलंबित कर दिया है। चीनी दूतावास ने इस बात की जानकारी दी। दूतावास ने ट्वीट कर कहा, 'साइनो सोर हाइब्रिड टेक्नोलॉजी ने तीसरे पक्ष की तरफ से सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताए जाने के कारण इस परियोजना पर रोक लगा दी है।एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका ने जनवरी में चीनी फर्म सिनो सोअर हाइब्रिड टेक्नोलॉजी को जाफना तट से दूर डेल्फ्ट, नागादीपा और अनलथिवु द्वीपों में एक हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। भारत ने इन द्वीपों पर चीन की मौजूदगी को लेकर चिंता व्यक्त की थी। वहीं, पिछले महीने श्रीलंका ने कोलंबो पोर्ट के पूर्वी कंटेनर टर्मिनल को विकसित करने का कॉन्ट्रैक्ट चीन की कंपनी को दिया। मगर यह कॉन्ट्रैक्ट पहले भारत और जापान को दिया जाना था लेकिन श्रीलंका ने इस त्रिपक्षीय सौदे को रद्द कर दिया। यह अनुबंध सहायक विद्युत आपूर्ति विश्वसनीयता सुधार परियोजना का हिस्सा था। श्रीलंकाई सूत्रों ने बताया कि चीन ने जाफना के डेल्फ्ट, नैनाथिवु और अलनाथिवु द्वीपों में परियोजना के लिए बोली जीती थी। ये तीनों द्वीप भारत के निकट स्थित हैं। वहीं, चीनी दूतावास ने कहा कि चीनी कंपनी ने अब मालदीव के 12 द्वीपों में 12 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए मालदीव सरकार के साथ 29 नवंबर को एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

कोरोना-यूरोप में डेल्टा का कहर जारी, नाइजीरिया और सऊदी अरब भी आए ओमिक्रॉन की चपेट में

अमेरिका में ओमिक्रॉन वैरिएंट का पहला मामला सामने आने के बाद अब तक कुल तीन मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इस तरह अब-तक दुनिया के 29 देशों में ओमिक्रॉन की पुष्टि हो चुकी है। पहला मामला सामने आने पर अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फौसी ने व्हाइट हाउस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह तो पहले से तय था, बस समय की बात थी। फॉसी ने बताया कि संक्रमित 22 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका से लौटा था, उसे मॉडर्ना की वैक्सीन की दोनों खुराक लगी थीं। वहीं, नाइजीरिया और सऊदी अरब ने भी ओमिक्रॉन संक्रमण की सूचना दी।जर्मनी में टीका नहीं लगवाने वालों पर पाबंदी...

जर्मनी ने ओमिक्रान के खतरे को देखते हुए लाकडाउन से बचने के लिए टीका नहीं लगवाने वालों पर पांबदी लागने की घोषणा की है। हांलाकि राशन दुकान, फार्मेसी और बेकरी इससे मुक्त रहेंगे। जर्मनी की चांसलर एंगेला मर्केल ने कहा हम समझ गए हैं कि हालात बहुत गंभीर हैं। अगले साल फरवरी तक कानून बनाकर देशभर में टीकाकरण अनिवार्य किया जाएगा।ईयू के कार्यकारी निकाय की प्रेसिडेंट वॉन डेर लेयेन ने यूरोप में टीकाकरण अनिवार्य करने पर जोर दिया है। ग्रीस 60 से अधिक उम्र के उन लोगों पर जुर्माना लगाने की तैयारी कर रहा है, जिन्होंने टीका नहीं लिया है। भारत ने नहीं लगाए यात्रा प्रतिबंधविदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने ओमिक्रॉन से प्रभावित देशों पर कोई यात्रा प्रतिबंध नहीं लगाया है बल्कि निगरानी को मजबूत किया है, जबकि कुछ देशों ने सीमाएं जोखिम वाले देशों के लिए बंद कर दी हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, जोखिम वाली 11 देशों की सूची ओमिक्रॉन से पहले से है इसलिए इसे ओमिक्रॉन सूची नहीं कहा जा सकता।फ्रांस में एक दिन में 50 हजार संक्रमित मिलेफ्रांस के शीर्ष वैज्ञानिक सलाहकार जीन-फ्रेंकोइस डेल्फ्रैसी ने गुरुवार को कहा कि यूरोप में फिलहाल डेल्टा वैरिएंट ही चिंता का कारण है। फ्रांस में जनवरी के अंत तक ओमिक्रॉन मामलों में डेल्टा को पीछे छोड़ सकता है।

रमाकांत मुंडे और अलका भटनागर (सिंगर) को " दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवार्ड फ़िल्मस 2021 " का पुरस्कार मिला

पूनम ढिल्लों, मदालसा शर्मा, दिलीप सेन, पायल घोष, निकिता रावल, योगेश लखानी, इस्माइल दरबार, प्रीति झिंग्यानी को मिला पुरुस्कार मुम्बई के आर्किड होटल में बिगेस्ट प्रतिष्ठित अवार्ड शो "3 तीसरे दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवार्ड फ़िल्मस (DPIAF) 2021" का शानदार आयोजन किया गया जहां बहुत सारी फ़िल्म और टीवी हस्तियों के साथ कई बिजनेसमैन और राजनीतिज्ञ भी शरीक हुए।

इस अद्भुत अवार्ड शो के ऑर्गनाइजर कल्याणजी जाना थे जो दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवार्ड फ़िल्मस के फाउंडर और चेयरमैन हैं।

इस अवार्ड फंक्शन में पूनम ढिल्लों, मदालसा शर्मा, दिलीप सेन, पायल घोष, नीकिता रावल, योगेश लखानी, इस्माइल दरबार, अमेरिका स्थित भारतीय सिंगर अलका भटनागर, रमाकांत मुंडे (बॉलीवूड फोटोग्राफर), प्रीति झिंग्यानी, ताहिर कमाल, प्रत्यूष मिश्रा, जयप्रकाश मिश्रा और सुमित मिश्रा को इस पुरस्कार से नवाजा गया।

इस अवार्ड समारोह में मशहूर सीरियल अनुपमा और भाभी जी घर पर हैं की पूरी स्टार कास्ट मौजूद थी। टेलीविज़न जगत के कई बड़े कलाकारों को सम्मान से नवाजा गया।

शो के ऑर्गनाइजर कल्याणजी जाना यहां मीडिया से बात करते हुए काफी इमोशनल हो गए और उन्होंने कहा कि लोगों ने मेरे अवार्ड फंक्शन को रोकने रुकवाने की बहुत कोशिश की मगर मेरी जिद थी और मैंने यह आयोजित किया, मैं हार नही मानने वाला, मेरे खिलाफ शिकायत भी की गई, मगर न मैं थकूंगा, न रुकूँगा। आज का ऐतिहासिक अवार्ड शो रहा। जिसके लिए अभिजीत राणे, सभी एंकर, सभी टीम का शुक्रिया, सभी अवार्डी को मुबारकबाद। मैंने ट्रॉफी हाउस भी खोला है।

मुझे हमेशा लोगों और मीडिया का सपोर्ट मिला है और आगे भी यह सपोर्ट चाहिए।

आज हमारा वर्ल्ड रिकॉर्ड हुआ। दुबई में नेक्स्ट दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवार्ड फरवरी 2022 में करने जा रहा हूँ।

यहां जिन्हें भी अवार्ड मिला सभी ने कल्याणजी जाना का आभार व्यक्त किया और कहा कि दादा साहेब फाल्के के नाम का सम्मान मिलना गर्व की बात है। कल्याण जाना का शुक्रिया कि उन्होंने यह अवार्ड मुझे दिया। मुझे बेहद खुशी हो रही है।

रणवीर सिंह पर अक्षय कुमार को आया गुस्सा, बोले- रणवीर के पेट में कुछ रहता है या नहीं

नई दिल्ली : अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की फिल्म 'सूर्यवंशी' के बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है. रोहित शेट्टी निर्देशित सूर्यवंशी में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ के अलावा अजय देवगन और रणवीर सिंह भी हैं. अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें अक्षय कुमार और रणवीर सिंह फिल्म की ओटीटी रिलीज का ऐलान करते नजर आ रहे हैं. बता दें कि सूर्यवंशी का बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ प्रदर्शन रहा है और फिल्म 190 करोड़ रुपये के लगभग कमाई कर चुकी है. दिलचस्प यह है कि इस वीडियो में रणवीर सिंह बता देते हें कि फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है. इस बात से अक्षय कुमार कुछ खफा नजर आते हैं और कहते हैं कि रणवीर के पेट में कुछ रहता है या नहीं. फिर वह कहते हैं कि अब बात सामने आ ही चुकी है तो ऐलान कर देते हैं. 'सूर्यवंशी' अब नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है. इस तरह रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर फिल्म को नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकेगा.

'द डर्टी पिक्चर' के सीन का ऑडीशन देकर तारा सुतारिया ने हासिल की 'तड़प', अहान शेट्टी के बारे में कही ये बात

मुंबई, फिल्म 'स्टूडेंट आफ द ईयर 2' से फिल्मी सफर का आगाज करने वाली तारा सुतारिया खासी व्यस्त हैं। उनकी फिल्म 'तड़प' आज रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म से सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी डेब्यू कर रहे हैं। उसके बाद वह 'एक विलेन रिटर्न्स', 'हीरोपंती 2' में नजर आएंगी। अभिनय के साथ तारा गायकी भी करती हैं। तारा से बातचीत के अंश...

बीता डेढ़ साल आपके लिए कैसा रहा?

मेरे लिए बीता डेढ़ साल काफी मिश्रित भावों वाला रहा। मैं परिवार के साथ रहती हूं तो कोरोना को लेकर मैं बहुत तनाव में थी। हमें बहुत सावधान रहने की जरूरत थी। अब हमारी फिल्म रिलीज हो रही है तो अंतत: थोड़ी खुशी का वक्त आ गया है। अब जिंदगी धीरे-धीरे सामान्य रफ्तार पकड़ रही है। हम सभी को उसी का इंतजार था।

इस दौरान अपने क्राफ्ट पर कितना काम किया?

अपने अभिनय पर काफी काम किया। 'तड़प' के लिए वर्कशॉप की थी। मेरी जुड़वां बहन प्रिया डांस टीचर है, जब हम घर पर साथ होते हैं तो वो मुझे डांस के लिए ट्रेन करती है। मैंने अपनी म्यूजिक की ट्रेनिंग भी फिर से शुरू की है।

फिल्म 'तड़प' के लिए आपसे 'द डर्टी पिक्चर' के एक सीन का ऑडिशन लिया गया था...

मैं और अहान पहली बार मिलन सर से उनके ऑफिस में मिले थे। उन्होंने पूछा था कि क्या मैं अहान के साथ 'द डर्टी पिक्चर' का सीन करूंगी।

वह मेरी पसंदीदा फिल्म है। तो हमने छोटा सा सीन किया था, जिसे मिलन सर ने शूट किया और निर्माता साजिद नाडियाडवाला सर को दिखाया। दोनों को वह सीन बहुत पसंद आया। उसी दिन उन्होंने मुझसे कहा कि मैं 'तड़प' बना रहा हूं, आप दोनों इसमें काम करेंगे क्या? मैंने हां बोल दिया। यह किरदार मेरी पिछली दोनों फिल्मों से बहुत अलग है। 'आरएक्स 100' फिल्म की यह रीमेक है। दर्शकों को फिल्म रोमांचक लगेगी।

कुमुद मिश्रा फिल्म में आपके पिता बने हैं, उनसे क्या सीख मिली?

उनमें बहुत ठहराव है, ये चीज मैंने उनसे सीखी है। अगर उनको किरदार में चिल्लाना भी होता है तो उसमें भी एक किस्म का ठहराव होता है। फिल्म में सौरभ शुक्ला जी भी हैं, मेरे इस फिल्म के पसंदीदा सीन अहान के साथ नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ हैं। मैंने अपने अन्य सह कलाकारों से भी काफी कुछ सीखा है।

जब इंडस्ट्री में आई थी, तब किन चीजों की 'तड़प' थी?

लोगों द्वारा अपनाए जाने की तड़प थी,

दोस्ताना माहौल पाने की तड़प थी, दर्शकों का प्यार और सम्मान पाने की तड़प थी। अब चाहती हूं कि ऐसा कुछ करूं जो दर्शकों के साथ-साथ मुझे भी आश्चर्यचकित करे। ज्यादा फिल्में करना चाहती हूं। डिजिटल प्लेटफार्म और फिल्मों में अभिनेत्रियों को बहुत अलग-अलग किरदार मिल रहे हैं।

उम्मीद है कि मुझे भी विविधतापूर्ण रोल के आफर मिलेंगे।

'उलट-पुलट' गई मलाइका

मुंबई, स्लिम फिगर की मालकिन मलाइका अरोड़ा की फिटनेस का जवाब नहीं। बॉलीवुड की यह बेब उम्र को मात देती है। ४८ की उम्र में भी मलाइका की फुर्ती गजब की है। मलाइका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह योग करती हुई नजर आ रही हैं। लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है। मलाइका ने योग के उत्कटासन को 'रॉक एंड रोल' से जोड़ दिया है। खुद वह भी वीडियो में इस आसन को करते हुए 'उलट-पुलट' जा रही हैं। एक्ट्रेस और डांसर ने पैâंस को चैलेंज देते हुए इस नए ट्रेंड से जुड़ने की अपील की है। वीडियो में मलाइका स्पोर्ट्स ब्रा और मिनी शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए मलाइका लिखती हैं, 'क्या आप एक चैलेंज के लिए तैयार हैं? क्योंकि यह मलाइका का मूवी ऑफ द वीक है। उत्कटासन के साथ रॉक एंड रोल चैलेंजिंग और फन है। यह आपके कोर और पूरी बॉडी के लिए एक बेहतरीन वर्कआउट है।' वैसे, यदि आप मलाइका को इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं करते हैं तो यह जान लीजिए कि मोहतरमा हर सोमवार को योग से जुड़ा हुआ एक पोस्ट करती हैं...

दीपिका पर असर

मुंबई, दीपिका पादुकोण, बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्हें हमेशा पैâशनेबल लुक के लिए जाना जाता है, जबकि पति रणवीर सिंह आमतौर पर अजीबोगरीब कपड़े पहने हुए दिखाई देते हैं। इस वजह से उन्हें अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। मगर अब ऐसा लग रहा है कि दीपिका पर रणवीर सिंह के पैâशन का असर होने लगा है। इन दिनों एक्ट्रेस का एयरपोर्ट लुक जमकर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स उनकी इस फोटो पर दिलचस्प कमेंट कर रहे हैं। वायरल हो रही इस तस्वीर में दीपिका ओवरसाइज्ड प्रिंटेड डेनिम जैकेट और डेनिम जींस पहने हुए नजर आ रही हैं। साथ ही वह ब्लैक किटेन हाई हील्स के साथ व्हाइट मोजे भी पहने हुए हैं, जो बिल्कुल भी मैच नहीं कर रहा है। ऐसे में नेटीजंस को बैठे-बिठाए दीपिका को ट्रोल करने का भरपूर मसाला मिल गया। एक यूजर ने सबसे दिलचस्प कमेंट किया, 'रणवीर के कपड़े पहन लिए क्या दीदी?' वहीं दूसरे ने लिखा, 'सैंडल और मोजे बहुत बुरे लग रहे हैं। इन्हें नए स्टाइलिस्ट की जरूरत है। प्लीज ऐसा पैâशन फॉलो मत कीजिए, यह जरा भी क्लासी नही हैं।' एक यूजर ने कमेंट किया, 'दीपिका को क्यों लगता है कि हील्स के साथ मोजे पहनना स्टाइल है।' वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, 'सैंडल के साथ मोजे भयंकर लग रहे हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'दीपिका पर रणवीर का असर हो गया है, अब तो लगता है कि डिजाइनर भी सेम है इनका...

रिया चक्रवर्ती ने भाई शौविक को बताया 'वॉरियर', बोलीं- 'तुम मुझे हर रोज इंस्पायर करते हो'

नई दिल्ली, दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती उनके निधन के बाद से ही लाइम लाइट में रही हैं। सुशांत के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती काफी कानूनी दाव-पेंच में फंसी थीं। जिसके बाद करीब एक साल बाद रिया और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती ने अब एक बार फिर से अपने पुराने रुटीन में आना शुरू किया है। रिया और उनके भाई दोनों ही अब सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहने लगे हैं। हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पोस्ट में अपने भाई को वॉरियर बताया है। रिया चक्रवर्ती वैसे तो सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही सोशल मीडिया से भी नदारद हो गई थीं। लेकिन अब एकबार फिर से उन्होंने सोशल मीडिया पर वापसी कर ली है। रिया चक्रवर्ती इन दिनों अपनी कई तस्वीरें बी शेयर करती रहती हैं। रिया अक्सर अपनी पोस्ट के जरिए बताती रहती हैं कि वो खुद को मुश्किल समय से निकलने के लिए किस तरह हील कर रही हैं। इसी बीच अब हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने अपने भाई शौविक चक्रवर्ती की तारीफ की है। रिया चक्रवर्ती के भाई शौवक चक्रवर्ती ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक तस्वीर सेयर की। जिसमें शौविक एक खाली सड़क पर पीठ पर बैग टांगे हुए कहीं जाते हुए दिख रहे हैं।

बिछुड़ने का गम

मुंबई, विक्की कौशल शादी के मोड में आ चुके हैं। मीडिया में रोज उनकी शादी की तैयारियों से जुड़ी खबरें आ रही हैं। मगर इस बीच एक खबर ने ध्यान खींचा है। सुनने में आ रहा है कि विक्की के परिवार में कुछ अनबन चल रही है। यही वजह है कि विक्की ने वैâटरीना के लिए दूसरा आशियाना बसाने का इरादा कर लिया है। शादी के बाद ये दोनों कपल परिवार से अलग रहने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में परिवार में शादी की खुशी के साथ बिछुड़ने का गम भी है। बहरहाल, बी टाउन में दोनों लव बर्ड्स की शादी इस वक्त टॉप प्राइयोरिटी है। दुनिया से छुपाकर इश्क फरमा रहे ये दोनों एक्टर्स राजस्थान में जल्द ही रॉयल वेडिंग करते नजर आएंगे। लेकिन इसे सीक्रेट रखने की पूरी कोशिश की गई है। दोनों की शादी बिल्कुल पंजाबी स्टाइल में होगी, जिसमें हल्दी, मेहंदी सहित आदि रस्मों को पूरा किया जाएगा। खबरों के मुताबिक, इन दोनों ने पिंक सिटी के सिक्स सेंस फोर्ट बारवारा, राजस्थान में रॉयल शादी करने का प्लान बनाया है। विक्की और वैâट ने वेन्यू की प्री-बुकिंग करवा ली है और अपनी ड्रेस भी फाइनल कर ली है। सुनने में तो ये भी आ रहा है कि जिस होटल में दोनों शादी रचाने जा रहे हैं, उसका एक रात का किराया ६४ से ९० हजार रुपए बताया जा रहा है।

Bigg Boss 15 के इस कंटेस्टेंट पर फिदा हैं उर्फी जावेद, बोलीं- 'यार वो बहुत क्यूट है! उसको बोलना बाहर आकर मुझसे मिले'

नई दिल्ली, 'बिग बॉस ओटीटी' कंटेस्टेंट उर्फी जावेद जब से इस रिएलिटी शो में नज़र आई हैं उसके बाद से तो मानो पैपराज़ी के लिए वो फेवरेट सेलेब बन चुकी हैं। बिग बॉस ओटीटी के बाद से उर्फी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। एक्ट्रेस की हॉट फोटोज़ और अतरंगी ड्रेसेज़ की चर्चा आए दिन होती रहती हैं। हाल ही में उर्फी ने बिग बॉस 15 को लेकर भी बात की और बताया कि इस सीज़न में उन्हें कौन पसंद हैं।

शटरबग्स से बात करते हुए उर्फी ने कहा, 'उमर बहुत क्यूट है..मुझे वो पसंद है। बहुत प्यारा है वो, उसको बोलना अगर वो बाहर आए तो मेरे से एक बार मिल ले प्लीज़। मैं उसे पसंद करती हूं वो बहुत क्यूट है। मैं दुआ करती हूं कि वो गेम में लंबा टिके'। उर्फी ने ये भी बताया कि वो चहती हैं निशांत भट्ट ये शो जीतें। आपको बात दें कि उर्फी जावेद बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा रही थीं, लेकिन वो शो से जल्दी बाहर हो गई थीं। वैसे एक्ट्रेस ने शो भले ही न जीता हो, लेकिन चर्चा में वो किसी विनर की तरह ही रहती हैं। हालांकि अपनी बोल्डनेस की वजह से उर्फी को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया जाता है।

हाल ही में उर्फी को फिर एक अजीबो-गरीब ड्रेस में स्पॉट किया गया है जिसमें उनकी हॉटनेस देखने ही बन रही है। लेटेस्ट वीडियो और फोटोज़ में उर्फी ने ब्राउन कलर का ट्राउज़र पहना हुआ है और लाइट ब्राउन कलर का ही टॉप पहना है जो पीछे से पूरा ओपन है। इस वीडियो की वजह से उर्फी को फिर से ट्रोल किया जा रहा है। वहीं बात करें उमर रियाज़ की तो उमर को बिग बॉस 15 में काफी पसंद किया जा रहा है। उर्फी से पहले भी कई सेलेब्स उमर की काफी तारीफ कर चुके हैं। घर में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने वाली कंटेस्टेंट रश्मि देसाई भी उमर को काफी पसंद करती हैं और अक्सर उनके साथ दिखाई देती हैं।

'तड़प' के साथ सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी का बॉलीवुड डेब्यू, 2000 से अधिक स्क्रींस पर रिलीज हुई फिल्म

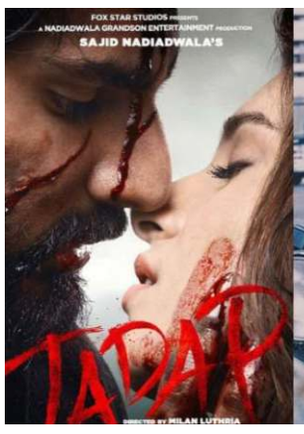

नई दिल्ली, सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी का इंजतार आखिरकार खत्म हुआ और शुक्रवार को तड़प सिनेमाघरों में पहुंच गयी। बहन अथिया शेट्टी के बॉयफ्रेंड क्रिकेटर केएल राहुल के अलावा कई सेलेब्रिटीज ने अहान के बॉलीवुड डेब्यू पर उन्हें बधाई दी और फिल्म इंडस्ट्री में उनका स्वागत किया। तड़प एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म है, जो तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 का आधिकारिक रीमेक है। फिल्म का निर्देशन मिलन लूथरिया ने किया है, जबकि निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म देश में 1600 से अधिक स्क्रींस पर रिलीज हुई है, वहीं ओवरसीज में 450 से स्क्रींस पर उतारी गयी है। तड़प में अहान के साथ फीमेल लीड में तारा सुतारिया हैं। अहान का बॉलीवुड डेब्यू काफी चर्चा में था। ट्रेलर आने के बाद इस फिल्म को लेकर ट्रेड सर्किट में भी काफी उम्मीदें जतायी थीं। अब फिल्म दर्शकों के बीच पहुंच गयी है। आखिरी फैसला उन्हें ही देना है, मगर अहान को बधाइयों का सिलसिला जारी है। क्रिकेटर केएल राहुल ने अहान के साथ अपनी एक फोटो शेयर करके लिखा- अहान, मेरे भाई अब पीछे मुड़कर नहीं देखना है। तुम पर गर्व है। आगे सिर्फ बड़ी चीजें करनी हैं। अभिषेक बच्चन ने 2000 में रिफ्यूजी से डेब्यू किया था। इस फिल्म में सुनील शेट्टी ने एक अहम भूमिका निभायी थी। अब अहान के डेब्य पर अभिषेक ने लिखा- मूवीज में स्वागत है, अहान। तुम्हें एक आत्मविश्वासी और मेहनती इंसान के रूप में बड़े होते हुए देखना शानदार रहा। तड़प के लिए तुम्हें, तारा, मिन और साजिद को शुभकामनाएं। फराह खान ने लिखा कि सुनील और माना शेट्टी के लिए आज बड़ा दिन है। इनके अलावा तनीषा मुखर्जी, पुलकित सम्राट, अनिल शर्मा, रितेश देशमुख, एशा देओल और अर्जुन रामपाल ने भी बधाई दी।

इंटर्नशाला-छात्रों को सशुल्क इंटर्नशिप करने का अवसर

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

जैसा कि नई शिक्षा नीति उन्नत कौशल आधारित विकास पर केंद्रित है, इंटर्नशाला छात्रों को सशुल्क इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान करती है। इंटर्नशाला भारत का सबसे बड़ा इंटर्नशिप प्लेटफॉर्म है जिसका इस्तेमाल 40,000+ संगठन हर साल 4 लाख+ इंटर्नशिप की पेशकश करते हैं। इंटर्नशाला पर, छात्र इंजीनियरिंग, प्रबंधन, अनुप्रयुक्त कला, वास्तुकला, डिजाइन, कानून, होटल प्रबंधन आदि जैसे सभी क्षेत्रों में इंटर्नशिप पा सकते हैं। छात्र इंटर्नशाला पर सूचीबद्ध इंटर्नशिप के लिए मुफ्त में खोज और आवेदन कर सकते हैं।

इंटर्नशिप की सुविधा के लिए, वे छात्रों को सभी आवश्यक संसाधन (इंटर्नशिप, मुफ्त आवेदन, परामर्श और मार्गदर्शन) उपलब्ध कराते हैं। इंटर्नशाला की टीमें सफलतापूर्वक इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की सफलता की कहानियां बनाने में मदद करती हैं। वे इन कहानियों को अन्य छात्रों के बीच ऑफ़लाइन (समाचार पत्र) और ऑनलाइन (सोशल

मीडिया पर वीडियो / ब्लॉग पोस्ट) मीडिया के माध्यम से प्रसारित करते हैं और अपने साथियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए सफल उम्मीदवारों को 'इंटर्नशिप एंबेसडर' के रूप में नियुक्त करते हैं।

इंटर्नशाला एक उपयोगकर्ता के अनुकूल पोर्टल संचालित करती है जिसमें एक छात्र आसानी से विभिन्न सत्यापित नौकरी के अवसरों तक पहुंच प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कर सकता है। छात्र विभिन्न ऑनलाइन अल्पकालिक कौशल आधारित प्रमाणित कार्यक्रमों को भी अपना सकते हैं, जो उद्योग के लिए तैयार हैं और विभिन्न पहलों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भी अर्जित किए जा सकते हैं।

छात्र अपनी पसंद के शहरों में ऑनलाइन या ऑफलाइन नौकरियों के कई विकल्पों में से चुन सकते हैं और रह सकते हैं। इंटर्नशाला द्वारा दी जाने वाली हैंड होल्डिंग इंटर्नशिप चाहने वाले और आवश्यक कौशल विकसित करने वाले छात्रों के लिए एक अवसर है। विवरण वेबसाइट internshala.com से प्राप्त किया जा सकता है।

कोरोना संक्रमण-40 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए बूस्टर डोज जरुरी, INSACOG के वैज्ञानिकों ने की सिफारिश

देश में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका और नए कोरोना वैरिएंट की दस्तक को लेकर बूस्टर खुराक लगाने की चर्चा एक बार फिर से तेज हो गई है। भारतीय SARS-CoV-2 जेनेटिक्स कंसोर्टियम या INSACOG ने कहा कि 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर खुराक लेनी चाहिए।

INSACOG लैब ने अपनी साप्ताहिक बुलेटिन में 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर खुराक लेने की सिफारिश की है। लोकसभा में कोरोना महामारी की स्थिति पर चर्चा के दौरान सांसदों ने कोविड के टीकों की बूस्टर खुराक की मांग की थी। इसी बीच लैब के वैज्ञानिकों ने यह सिफारिश की है। वैज्ञानिकों ने बताया कि टीका नहीं लेने वाले लोग सबसे पहले टीकाकरण करवाए । वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि वर्तमान टीका कोरोना के खरतनाक वैरिएंट ओमिक्रॉन से लड़ने में उतना ताकतवर नहीं है। लिहाजा और 40 से अधिक उम्र वाले लोग बूस्टर खुराक लेने पर भी विचार करें। बंगाल में बूस्टर डोज परीक्षण की तैयारीवहीं, पश्चिम बंगाल सरकार जल्द ही कोरोना के बूस्टर डोज का परीक्षण करने की योजना बना रही है। कई अस्पतालों और मेडिकल लैबों में इसका परीक्षण भी शुरू कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बूस्टर डोज परीक्षण के लिए अभी तक छह अस्पताल आगे आए हैं। इसमें स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, कॉलेज ऑफ मेडिसिन और सगोर दत्ता अस्पताल, निल रतन सरकार मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल तीन सरकारी चिकित्सा सुविधाएं हैं, जिन्होंने इस संबंध में रुचि दिखाई है। अधिकारी ने आगे बताया "हमने भारत के औषधि महानियंत्रक को भी लिखा है, और सकारात्मक जवाब मिलने की उम्मीद है।

आगरा में सामूहिक आत्महत्या
पति-पत्नी और बच्ची के शव मिलने से सनसनी, तीन मौतों

आगरा में सिकंदरा के पश्चिम पुरी स्थित बंसी बिहार में शुक्रवार सुबह एक घर में बने ऑफिस में पति-पत्नी के शव मिलने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मरने वालों में योगेश मिश्रा (35) पुत्र सुनहरी लाल मिश्रा और उनकी पत्नी प्रतिक्षा हैं। उनकी दो बेटी आध्या और काव्या भी एक अन्य घर में मिली हैं। इनमें से पांच साल की काव्या की मृत्यु हो गई है। घटना की जानकारी कर्मचारी के ऑफिस आने पर हुई। जब घर में कोई हलचल नहीं हुई तो कर्मचारी और पड़ोसियों को कुछ शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची तब दंपती के शव मिले।मृतक ने छोड़ा सुसाइड नोट योगेश एटा जनपद, जमुनापुरा, थाना बागवाला के निवासी हैं। आगरा में ऑनलाइन बैटरी-इनवर्टर का व्यापार करते थे। पश्चिमपुरी के बंसी बिहार में एक मकान में ऑफिस बना रखा था और मारुति स्टेट फेस-टू में हाल निवासी थे। उनकी आध्या और काव्या दो बेटियां हैं। काव्या की उम्र पांच वर्ष की है और आध्या की उम्र 11 वर्ष बताई गई है। शुक्रवार को पति-पत्नी के शव कार्यालय मिले और बच्चे घर पर मिले। अनुमान लगाया जा रहा है कि घर पर बच्चों को कुछ खिलाया गया है। काव्या की मृत्यु हो चुकी है। मृतक के यहां से एक सुसाइड नोट भी पुलिस ने बरामद किया है।

सीएम केजरीवाल ने सुरक्षा व्यवस्था पर की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा- शहर के चप्पे-चप्पे पर लगेंगे कैमरे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीसीटीवी योजना के दूसरे चरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार बनने के सात सालों में पूरी दिल्ली में दो लाख 75 हजार सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह कैमरे सड़कों से हर पब्लिक प्लेस में लगे हैं। पूरी दुनिया में सीसीटीवी कैमरे लगने के मामले में दिल्ली नंबर वन शहर बन गया है। एक शहर में प्रति स्क्वायर मील में कितने कैमरे लगे हैं इस मामले में दिल्ली पहले स्थान पर है। एक संस्था ने सर्वेक्षण कराया था जिसमें दिल्ली में प्रति स्क्वायर मील में 1826 कैमरे लगे हैं। नंबर दो पर लंदन है जहां 1138 कैमरे लगे हैं। इसका मतलब ये है कि हम लंदन, न्यूयॉर्क, सिंगापुर और पेरिस इन सबसे आगे हैं।केजरीवाल बोले कि, हमारे देश में दूसरे नंबर चेन्नई आता है, दिल्ली में वहां से तीन गुना ज्यादा और मुंबई से 11 गुना ज्यादा कैमरे लगे हैं। जबसे ये कैमरे लगे हैं महिलाओं की सुरक्षा में इजाफा हुआ है वह सुरक्षित महसूस करने लगी हैं। पुलिस को भी अब अपराध सुलझाने में भी बहुत मदद मिली है।दिल्ली में 1 लाख 40 हजार कैमरे और लगेंगेकेजरीवाल ने कहा कि आज मैं आपके लिए एक और खुशखबरी लेकर आया हूं कि हम दिल्ली में एक लाख 40 हजार सीसीटीवी कैमरे और लगाने जा रहे हैं। दो लाख 75 हजार पहले ही लग चुके हैं और एक लाख 40 हजार और कैमरे लगने से दिल्ली के चप्पे चप्पे पर कैमरे लग जाएंगे।चार मेगा पिक्सल के होंगे कैमरेकेजरीवाल ने सीसीटीवी के लिए एलजी हाउस में जो धरना करना पड़ा उसका भी जिक्र किया। उन्होंने कहा अगर सही नियत से काम करो तो जरूर पूरा होता है। उन्होंने कहा कि हम कैमरे भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा बनाए गए लगा रहे हैं। यह बहुत बेहतरीन कैमरे हैं। किसी भी कारण से अगर कैमरा काम नहीं कर रहा तो उसका अलार्म कमांड सेंटर को चला जाएगा।ये कैमरे चार मेगा पिक्सल के हैं और रात में भी काम करता है। इनका पासवर्ड तीन-चार लोगों के पास होगा जो दुनिया के किसी भी कोने से इसकी मॉनिटरिंग कर सकेंगे। इन कैमरों में 30 दिन का डाटा सुरक्षित रहेगा। सीएम ने कहा, हमारे लिए दिल्ली के नागरिकों, बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। CCTV योजना के दूसरे चरण के तहत अब पूरी दिल्ली में 1 लाख 40 हज़ार कैमरे और लगा रहे हैं।

अभिनेत्री ने की प्रोडक्शन कंट्रोलर के खिलाफ मामला दर्ज, गिरफ्तार

मुंबई, गोरेगांव पुलिस ने मराठी धारावाहिकों एवं रियलिटी शो में काम करने वाली एक अभिनेत्री की शिकायत पर एक प्रोडक्शन कंट्रोलर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि कंट्रोलर ने अभिनेत्री को काम करने के बहाने उसके साथ छेड़खानी की कोशिश की थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पीड़ित अभिनेत्री ने पुलिस को बताया कि उन्होंने मराठी फिल्मों एवं धारावाहिकों में काम कर रही अभिनेत्रियों के लिए बॉडी डबल का काम किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में कई साल हो गए हैं। पिछले दिनों अभिनेत्री नंदिता पाटकर को किसी कारणवश सेट पर आने में देरी हो गई तो उन्होंने उनकी भूमिका की थी। इस घटना के बारे में पीड़िता ने पुलिस से कहा कि प्रोडक्शन कंट्रोलर उससे वाट्सऐप नंबर की मांग किया करता था। एक दिन उसने पुणे में काम करने का ऑफर देते हुए पूछा कि क्या मैं पुणे में जॉब करना चाहती हूं। मेरी स्वीकारोक्ति के बाद उसने मुझसे कुछ चीजों की मांग करते हुए शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा व्यक्त की। इसके बदले उसने और काम दिलाने का वादा किया था।

सैकड़ों बेटियों के पालक पिता उद्योगपति और समाज सेवक श्रीमान महेश सवाणी इस साल में 4और 5 दिसंबर 2021 के दिन 300 बेटियों का करेंगे कन्यादान

**4 व 5 दिसंबर 2021 को सूरत में हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई जाति की 300 बेटियों की भव्य शादी हर जाति के रीति-रिवाज से होगी*

राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली ने प्रेरित किया उत्तर प्रदेश परनवसे सहित राज्यों में लड़कियों को प्रेरित: महेश सवानीनी 4435 160 बेटियां राजकोट में बसी: उस शादी से कोई मजाक नहीं, अंत तक पिता के रूप में कर्तव्य निभाता हदुनिया में सबसे बड़ा दान क्या है? यदि यह प्रश्न पूछा जाए तो लगभग सभी यही कहेंगे कि कन्यादान... लगभग सभी को यह दान करने का अवसर नहीं मिलता। हालांकि, सूरत निवासी आम आदमी पार्टी के नेता महेशभाई सवानी को अब तक 4435 बेटियां हो चुकी हैं। वह इससे संतुष्ट नहीं है, वह अपनी सेवा को निस्वार्थ रूप से जारी रखना चाहता है, यही कारण है कि उसने देश भर से 300 और बेटियों की शादी करने की जिमेदारी ली है। , सूरत में मोटा वराछा-अब्रामा रोड पर पीपी सवानी चैतन्य विद्यासंकुल स्कूल परिसर में 4 और 5 दिसंबर को एक मंडप में 300 बेटियों की शादी करने की योजना है. 300 बेटियों में से 103 के माता-पिता और भाई-बहनों सहित कोई रिश्तेदार नहीं है जबकि 15 बेटियों ने अपने माता-पिता को कोरोना के कारण खो दिया है। गुजरात के सबसे बड़े सामूहिक विवाह में यह पहला मौका होगा कोई सिख बेटी शादी करने आएगी। उसकी शादी उसके सभी रीति-रिवाजों से होगी। दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत राज्यों की बेटियों की भी शादी होगी.महेशभाई सवानी ने कहा कि अब तक उन्होंने कुल 4435 बेटियों की शादी करा चुके है, जिनमें से 160 बेटियां राजकोट में रहकर अपना घर चला रही हैं. उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने विदेश में कई बेटियों की शादी की है। महेशभाई सवानी और अन्य लोगों ने जोर देकर कहा कि एक बार शादी की रस्म पूरी हो जाने के बाद हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं होती है लेकिन हमारी बेटी को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है .इसके लिए हम हर 50 दामादों में से एक को 'कैप्टन' बनाते है और अगर किसी भी बेटी को परेशानी होती है तो वो कैप्टन से संपर्क कर सकते हैं। बेटी का जन्मदिन होने पर उसे हम व्हाट्सएप पर शुभकामनाएं देते है : महेशभाई सवानी के बेटे का भी सामूहिक विवाह हुआ है.महेशभाई सवानी ने कहा कि वह हर बेटी को अपना बेटा मानते हैं और सभी की शादी एक मांडवे में करना उनका सपना है. उन्होंने कहा कि उनके अपने बेटे की भी सामूहिक विवाह में शादी हुई थी जिसकी उन्होंने योजना बनाई थी। 4-5 दिसंबर को सूरत में होने वाले विवाह समारोह में उनके दामाद प्रशांतभाई दयानी भी उनके साथ हैं.महेशभाई सवानी 'आप' में क्यों शामिल हुए महेशभाई सवानी ने कहा कि वह नेता नहीं हैं. हालांकि उन्होंने

आम आदमी पार्टी में शामिल होने का कारण बताया, उन्होंने कहा कि कोविड जैसी महामारी बीमारी के दौरान उन्होंने सौराष्ट्र और गुजरात में हर जगह सेवायोजना शुरू की लेकिन मुझे कई जिला ओर तालुकाओं में काम करना है । इसलिए मुझे राजनीति में आना पड़ा है। उन्होंने कहा, "मैं कोई बड़ा नेता नहीं हूं इसलिए अभी यह कहना संभव नहीं है कि मैं 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ूंगा या नहीं। हालांकि, पार्टी का जनादेश मेरे लिए जो भी हो

अब दुश्मनों की खैर नहीं! नौसेना प्रमुख बोले-10 साल का रोडमैप तैयार, भारत के पास जल्द होंगी स्वदेशी-मानवरहित प्रणालियां

भारतीय नौसेना दिवस से ठीक एक दिन पहले शुक्रवार को नेवी के नए प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के

पास जल्द ही हवा और पानी के अंदर चलने वाली स्वदेशी-मानवरहित प्रणालियां होंगी। इसके लिए 10 साल का रोडमैप तैयार है।इसके अलावा उन्होंने उत्तरी सीमाओं और कोरोना महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का जिक्र किया। साथ ही कई अन्य मुद्दों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना दोनों चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे 39 युद्धपोतों और पनडुब्बियों में से 37 भारत में 'मेक इन इंडिया' के तहत बनाए जा रहे हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए हमारी खोज को दर्शाता है।नौसेना प्रमुख ने आगे कहा कि हमने महिला अधिकारियों को अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के उपाय किए हैं। पहली महिला प्रोवोस्ट अधिकारी इस साल मार्च में शामिल हुईं। नौसेना विभिन्न क्षमताओं में महिलाओं को शामिल करने के लिए तैयार है। हरि कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) का निर्माण, सीडीएस पद के निर्माण के साथ-साथ सेना में सबसे बड़ा सुधार है। यह तेजी से निर्णय लेने और नौकरशाही को सक्षम बनाता है।

बता दें कि भारतीय नौसेना दिवस हर साल चार दिसंबर को मनाया जाता है।गौरतलब है कि भारतीय नौसेना के नए प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बीते मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया था। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी मां से आशीर्वाद लिया था। उन्होंने कहा था कि समुद्री सीमाओं की रक्षा उनका सबसे पहला कर्तव्य है। आर हरि कुमार भारतीय नौसेना के 25वें प्रमुख हैं। उनसे पहले करमबीर सिंह नौसेना प्रमुख थे। सिंह 41 साल से अधिक की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए।

ओमिक्रॉन से टकराने के लिए जंबो कोविड सेंटर तैयार, मुंबई में पांच जंबो सेंटर ऐक्टिव

दहिसर, महालक्ष्मी रेसकोर्स व एक अन्य मुलुंड में बना जंबो कोविड सेंटर बंद है। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सभी को ऐक्टिव कर दिया जाएगा।

मुंबई, दुनिया में कोरोना के नए वेरियंट ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ने के बाद बीएमसी अलर्ट मोड में आ गई है। मुबई के खाली पड़े जंबो कोविड सेंटर को लेकर बीएमसी सक्रिय हो गई है। ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए सभी जंबो कोविड सेंटर को तैयार रहने को कहा गया है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के अनुसार नए वेरियंट को लेकर बैठकों का दौर जारी है। सभी वॉर्ड ऑफिसर, वॉर्ड वॉर रूम और जंबो सेंटर्स को व्यवस्थाएं चुस्त करने का निर्देश दिया गया है। यदि कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ती है, तो बंद सेंटर्स को भी खोलने की तैयारी है। मुंबई में पांच जंबो सेंटर ऐक्टिव हैं, जिनमें गोरेगांव का नेस्को फेज-1, बीकेसी, मुलुंड, भायखला का रिचर्डसन ऐंड क्रूडास व एनएससीआई वर्ली शामिल हैं। कांजुरमार्ग, मालाड व सायन में जंबो सेंटर्स बन कर तैयार हैं, लेकिन उन्हें ऐक्टिव नहीं किया गया है। दहिसर, महालक्ष्मी रेसकोर्स व एक अन्य मुलुंड में बना जंबो कोविड सेंटर बंद है। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सभी को ऐक्टिव कर दिया जाएगा।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

मुंबई पुलिस के साइबर सेल से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ओमिक्रॉन के बारे में भ्रामक मेसेज एवं विडियो पोस्ट करने या उसे वायरल करने वालों के खिलाफ आईटी ऐक्ट एवं महामारी ऐक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी रश्मि करंदीकर ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। सीनियर पीआई प्रकाश वेले के अनुसार, बिना मास्क वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है।

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।